जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 182 प्रभात चूरू, गुरूवार, 30 अक्टूबर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

59 दिनों के बाद बिहार लौटते ही राजनीतिक मंच पर तूफान ला दिया राहुल गांधी ने

उन्होंने मोदी पर सीधे ही आक्रमण, उपहास और खिल्लियों की भारी वर्षा की झड़ी लगा दी

- मुज़फ्फरपुर रैली में राहुल ने मंच से कहा, मोदी वोटों के लिए कुछ भी कर सकते हैं। यदि उनसे कहा जाए, ड्रामा कीजिए तो वे करेंगे, डांस करिए तो मंच पर आकर डांस करेंगे।
- राहुल ने यह भी कहा कि मोदी ने ड्रामा रचा कि वे छठ पूजा के दिन यमुना में डुबकी लगायेंगे, बाद में मालूम पड़ा, उन्होंने यमुना में नहीं, बल्कि पाइप से पानी लाकर एक छोटी सी तालाबनुमा वॉटर बॉडी बनाई और उसमें डुबकी लगाई।
- भाजपा ने राहुल के इन कटाक्षों और उपहास के प्रयासों को भद्दा व निम्नस्तर की राजनीति की संज्ञा दी, ऐसी भाषा जो राहुल गांधी ने उपयोग में ली, वो असभ्य, अशोभनीय, गुंडों की भाषा है। राहुल गांधी ने उन सभी गरीब जनता का तिरस्कार किया है, जिन्होंने वोट देकर मोदी को प्रधानमंत्री बनाया है।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। जिस दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 59 दिन के अंतराल के बाद बिहार लौटकर आज जैसे ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा और बेबाक हमला बोला, वैसे ही वरिष्ठ भाजपा नेता और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लगभग यह संकेत दे दिया कि नीतीश कुमार को एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा माना जा सकता है।

बिहार के दरभंगा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने महागठबंधन नेताओं को स्पष्ट संदेश दिया और कहा कि राजनीति में कोई खाली पद नहीं होता है, क्योंकि बिहार में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और केन्द्र में नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने रहेंगे।

हालांकि, इसके बाद समस्तीपुर की दूसरी रैली में शाह ने एक और महत्वपूर्ण बात कही, उन्होंने कहा कि बिहार के पास नीतीश कुमार और चिराग पासवान जैसे नेता हैं, और उन्हें प्रधानमंत्री का आशीर्वाद और समर्थन प्राप्त है।

उधर, लंबे समय तक बिहार से दूर रहने को लेकर एनडीए के हमलों के केन्द्र में रहे राहुल गांधी ने मुजफ्फरपुर की रैली में प्रधानमंत्री पर तीखा हमला करते हुए कहा कि मोदी वोटों के लिए कुछ भी कर सकते हैं। अगर आप मोदी जी से कहें कि वोट पाने के लिए ड्रामा करें, तो वो करेंगे। अगर आप उनसे कहें कि मंच पर आकर नाचें, तो वे वो भी करेंगे।

राहुल के इस बयान पर भाजपा नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। पार्टी नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी की भाषा स्थानीय गुंडों जैसी है। उन्होंने भारत और बिहार के उन सभी गरीबों का खुला अपमान किया है" जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को वोट दिया है।

राहुल गांधी के बिहार आगमन से राज्य की सियासत में नई हलचल पैदा हो गई है। पिछले 59 दिनों से उनकी गैरहाजिरी को लेकर लगाए गए मिसिंग राहुल गांधी वाले पोस्टरों के बीच, उनके आगमन ने राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है।

इससे पहले, अमित शाह ने बिहार की उप-राष्ट्रीय भावना को साधने की कोशिश करते हुए केन्द्र सरकार के उस फैसले का जिक्र किया, जिसके तहत पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गई। उन्होंने दरभंगा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राफेल में उड़ान भरी राष्ट्रपति मुर्मू ने

अंबाला, 29 अक्टूबर। तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को यहां वायु सेना के अंबाला स्टेशन से अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल में उडान भरने के बाद इसे अविस्मरणीय अनुभव करार दिया और कहा कि उन्हें देश की रक्षा क्षमताओं पर गर्व है। राष्ट्रपति मुर्मू इससे पहले सुखोई-30 लड़ाकू विमान में भी उड़ान भर चुकी हैं। दो अलग-अगल लड़ाकू विमानों में उडान भरने वाली वह देश की पहली

- इससे पहले वे सुखोई विमान से भी उड़ान भर चुकी हैं। दो अलग-अलग लड़ाकू विमानों से उड़ान भरने वाली वे पहली राष्ट्रपति हैं।

राष्ट्रपति तथा लड़ाकू विमान में उडान भरने वाली दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। मुर्मू ने सात अप्रैल 2023 को वायु सेना के तेजपुर स्टेशन से सुखोई विमान में उड़ान भरी थी। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम भी सुखोई लड़ाकू विमान में उड़ान भर चुके हैं। राष्ट्रपति ने राफेल में लगभग 30 मिनट तक उड़ान भरी और लगभग 200 किलोमीटर की दूरी तय की। इस विमान ने समुद्र तल से लगभग 15000 फुट की उंचाई पर और लगभग 700 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ान भरी। इसे 17 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी उड़ा रहे थे।

पाकिस्तान की तालिबान नीति इतनी बुरी तरह असफल क्यों हुई

पाकिस्तान को आशा थी कि अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार पाकिस्तान के हितों की रक्षा व सुरक्षा प्रदान करेगी

- पर यह हुआ हमदम उलटा ही, पाकिस्तान विरोधी ग्रुप, तहरीक-ए-तालिबान आदि पर तालिबान सरकार ने किसी प्रकार का अंकुश नहीं लगाया तथा पनपने की पूर्ण आज़ादी दी और यह ग्रुप पाकिस्तान जाकर अपनी आतंकवादी गतिविधियों से तहलका मचा रहा है।
- अब तालिबान, पाकिस्तान का एक स्वतंत्र पड़ोसी बन गया है और किसी भी कीमत पर अपनी सार्वभौमिकता को दाँव पर लगाने को तैयार नहीं है।
- इसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान अपनी अफगानिस्तान पर सोच व नीति बदलने को मजबूर हो रहा है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। पाकिस्तान की लंबे समय से चली आ रही "तालिबान रणनीति", जिसका उद्देश्य अफगानिस्तान में अपना दबदबा स्थापित करना और अपनी सीमा की सुरक्षा करना था, अब पूरी तरह से विफल होती नजर आ रही है। दशकों तक, इस्लामाबाद ने यह नीति अपनाए रखी, इस उम्मीद में कि काबुल में तालिबान की एक मित्रवत सरकार पाकिस्तान को उसकी पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा प्रदान करेगी और पाकिस्तान विरोधी समूहों, जैसे कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का दमन करने में मदद करेगी। तालिबान के उदय का समर्थन करके या उसे सहन करके, पाकिस्तान मानता था कि वह यह सुनिश्चित कर सकता है कि अफगानिस्तान उस पर निर्भर रहेगा, भारत के प्रभाव के खिलाफ एक बफर स्टेट के रूप में काम करेगा, और डूरंड लाइन के साथ सीमा प्रबंधन में सहयोग करेगा।

हालांकि, तालिबान के अगस्त 2021में सत्ता में लौटने के बाद से रणनीति बिगड़ने लगी। पाकिस्तान ने उम्मीद की थी कि काबुल में तालिबान सरकार द्वारा अफगान भूमि में स्थित तहरीके तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। इसके बजाय, तालिबान नेतृत्व ने या तो आँखें मूंद लीं या चुपचाप इन समूहों को सुरक्षित पनाहगाह प्रदान कर दी। पाकिस्तान में टीटीपी द्वारा हमले बढ़ गए, विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में, जिससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा पर भारी दबाव है नीतीश को एनडीए का "सीएम फेस" घोषित करने का

भाजपा के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, जद (यू) समर्थकों को शांत करने के लिए मोदी खुद नीतीश को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर सकते हैं। ऐसा करके वे अमित शाह के रुख को वीटो कर सकते हैं

- रिपोर्ट्स कहती हैं कि जब से शाह ने कहा कि नए विधायक सीएम चुनेंगे तब से चुनाव प्रचार अभियान में जद (यू) कार्यकर्ता के नेता शामिल नहीं हो रहे हैं और ऐसी भी खबरें हैं कि विरोध जताने के लिए मोदी की 30 अक्टूबर की सभा में नीतीश शामिल नहीं होंगे।
- शाह भी इस तनाव को भांप गए हैं, उन्होंने विवाद पर ठंडे छींटें देने का प्रयास किया व कहा, सीएम तथा पीएम का पद खाली नहीं है, दिल्ली में मोदी जी हैं और बिहार में नीतीश जी हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस राजनीतिक दुविधा में है कि बिहार में नीतीश कुमार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का अगला मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाए या नहीं।

पहले चरण के मतदान में अब सिर्फ एक हफ्ता बाकी है, ऐसे में जनता दल (यूनाइटेड) समर्थकों के बढ़ते दबाव और गठबंधन के भीतर की उलझनों ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को अपनी रणनीति पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो आने वाले दिनों में बिहार में कई चुनावी रैलियां करने वाले हैं, से उम्मीद की जा रही है कि वे नेतृत्व के मुद्दे पर कोई अहम घोषणा कर सकते हैं।

पार्टी के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार, मोदी जदयू कार्यकर्ताओं में बढ़ती बेचैनी को कम करने और गठबंधन की एकता का संकेत देने के लिए नीतीश कुमार को औपचारिक रूप से एनडीए का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर सकते हैं।

भाजपा की चुनाव टीम से जुड़े सूत्रों ने माना है कि कई विधानसभा क्षेत्रों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डिप्टी सीएम के खिलाफ झूठी खबरें: आरोपियों को अग्रिम जमानत नहीं मिली

जयपुर, 29 अक्टूबर। जयपुर मेट्रो-प्रथम की एडीजे कोर्ट-6 ने डिप्टी सीएम दिया कुमारी के खिलाफ एक यू-ट्ययूब चैनल व वेब पोर्टल पर झूठी व भ्रामक खबरें चलाने के आरोपी आनंद पांडे, हरीश दिवेकर व जीनेश कुमार की अग्रिम जमानत अर्जी बुधवार को खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि मामले में लगाए आरोप गंभीर हैं और केस का

- डिप्टी सीएम के निजी सहायक ने सायबर पुलिस में रिपोर्ट की थी कि आरोपी यू-ट्यूब व वैब पोर्टल पर झूठी खबरें सीरीज़ में चला रहे हैं।

अनुसंधान बाकी है। ऐसे में इस स्तर पर आरोपियों को अग्रिम जमानत नहीं दे सकते।

जमानत अर्जियों में कहा गया था कि उन पर लगाए गये आरोप झूठे व गलत हैं। पुलिस ने परिवादी से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आखिर क्यों चिराग भी अंतिम क्षणों में चुनाव मैदान से हट गए

जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर के बाद चिराग के भी चुनाव मैदान से हटने पर भारी अटकलें लगाई जा रही है

- चिराग और प्रशांत दोनों ने बिहार में जोरदार अभियान चलाया और अपने-अपने मुख्य प्रतिद्वंदी, क्रमशः नीतीश और तेजस्वी को घेरने में उन्हें किसी हद तक सफलता भी मिली।
- चिराग ने कहा था कि वे अवश्य चुनाव लड़ेंगे और किशोर ने तो तेजस्वी के मुकाबले चुनाव लड़ने का मन बनाया था फिर आखिर क्या हुआ, दोनों ही पीछे हट गए।
- विशेषज्ञों का कहना है कि किशोर जान गए थे, उनकी पार्टी चुनावों में खराब प्रदर्शन कर रही है, इसलिए वे चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। वहीं चिराग पासवान को शायद भाजपा ने शांत बैठने की हिदायत दी है।

- जाल खंताता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। दो प्रमुख युवा नेताओं ने बिहार विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी का नेतृत्व करने का इरादा घोषित करने के बाद, आखिरी वक्त में चुनावी मैदान में उतरने से मना कर दिया। ये नेता हैं लोक जनतांत्रिक पार्टी (एलजेपी) के नेता चिराग पासवान और जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर।

पासवान (42) और किशोर (47) दोनों खुद को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार मानते हैं और दोनों "पहले बिहार" के उच्चस्तरीय अभियान के साथ नीतीश कुमार की (जेडीयू) और लालू-तेजस्वी यादव की (आरजेडी) को अपनी राजनीतिक यात्रा के लिए चुनौती के रूप में देखते हैं।

पासवान भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बनने के आकांक्षी हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद, जो पिछले 35 वर्ष से बिहार की राजनीति पर छाये हुये थे, अब अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में हैं।

किशोर भी बिहार की राजनीति में एक संभावित शून्य देख रहे थे और उनका मानना था कि वे तेजस्वी यादव, जो लालू के उत्तराधिकारी हैं, को चुनौती दे सकते हैं।

जून में एलजेपी प्रमुख ने घोषणा की थी कि वे बिहार चुनाव में हिस्सा लेंगे और जेडीयू और भाजपा के गठबंधन में होने के बावजूद, उन्होंने नीतीश के गढ़ों में रैलियां की थीं। इस संभावना का पहला संकेत उनके साले अरुण भारती, सांसद, ने "एक्स" पर एक पोस्ट के माध्यम से दिया था।

जून-जुलाई में आरा और सारण में अपनी रैलियों में, पासवान ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वे चुनाव लड़ेंगे, क्योंकि वे बिहार को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं, और उन्होंने अपनी "बिहार पहले, बिहारी पहले" की नीति को प्रमुखता से बताया। जेडीयू को पासवान के कदमों पर संदेह था, और नीतीश इस बात से नाराज़ थे कि एलजेपी को उनके हिस्से की कुछ सीटें दी गईं।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि जैसे-जैसे चुनाव नज़दीक आए, पासवान को यह सलाह दी गई कि वे एनडीए में संकट न पैदा करें, क्योंकि जेडीयू यह नहीं भूल सकता था कि एलजेपी ने 2020 में 137 सीटों पर चुनाव लड़ा था तथा कई सीटों पर उसकी संभावनाओं को "जानबूझकर" नुकसान पहुँचाया गया था। पासवान ने अपनी पार्टी के लिए 29 सीटें हासिल कर लीं, जिसे कुछ लोग यह मानते हैं कि यह उनकी पार्टी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक कमरे में 38 वोटर- आदित्य ठाकरे ने वोट चोरी का खुलासा किया

मुंबई, 29 अक्टूबर। महाराष्ट्र की सियासत में एक नया बवाल खड़ा हो गया है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता आदित्य ठाकरे ने राज्य चुनाव आयोग पर तीखे सवाल उठाते हुए वोट चोरी का मुद्दा उठाया था. उन्होंने ठीक

- आदित्य ठाकरे ने कहा अगर एक कमरे में 38 मतदाता दिखाए जा सकते हैं तो ईमानदारी कहां रही यह तो वोट चोरी है।

उसी तरह प्रेस कांफ्रेंस की थी, जैसा कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुछ दिनों पहले की थी और दावा किया कि मुंबई के वर्ली विधानसभा क्षेत्र में एक ही कमरे के पते पर 38 से ज्यादा मतदाताओं के नाम दर्ज हैं! इस सनसनीखेज खुलासे के बाद राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने मोदी मलेशिया क्यों नहीं गए

जानी-मानी न्यूज़ एजेंसी ब्लूमबर्ग के अनुसार, मोदी किसी भी तरह ट्रंप से रुबरु मिलने को टालना चाहते थे

- आशंका बनी हुई थी, विदेश मंत्रालय में, कि ट्रंप एक बार फिर मोदी से रुबरु मिलने पर फिर दोहराते कि उनकी निर्णायक भूमिका थी, भारत-पाकिस्तान युद्ध रूकवाने में।
- हालांकि, भारत कई बार ट्रंप के इस दावे को पूर्णतः असत्य बता चुका है। ट्रंप यदि रुबरु यह बोलते तो आमना-सामना हो जाता, जो कूटनीति की दृष्टि से भारत के विरुद्ध जाती।
- मोदी का चुप रहना, ट्रंप के दावे के प्रत्युत्तर में, या कोई अभद्र टिप्पणी करना राजनीतिक दृष्टि से बिहार चुनावों के दौरान काफी जोखिम भरा काम था।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाकात और पाकिस्तान पर संभावित चर्चा से बचने के लिए इस सप्ताह मलेशिया में हुए आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया और इससे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इस बात को हवा देने का मौका मिल गया।

ब्लूमबर्ग ने मामले से वाकिफ लोगों के हवाले से बताया कि अधिकारियों को इस बात की चिंता थी कि ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए चार दिनों के सैन्य संघर्ष के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के अपने दावे को दोहरा सकते हैं।

हालांकि भारत ने हमेशा इस बात को नकारा किया है कि ट्रंप ने संघर्ष विराम में कोई भूमिका निभाई थी, लेकिन जिन लोगों को घटनाओं की जानकारी थी, उनका कहना था कि प्रधानमंत्री मोदी, जो विदेश यात्रा करना पसंद करते हैं, आमतौर पर मलेशिया जाने का मौका छोड़ते नहीं हैं। ट्रंप, जो किसी भी असहमत नेता के प्रति अपने अपमानजनक व्यवहार के लिए जाने जाते हैं, वो मोदी के मुँह पर कुछ भी कह सकते थे। ट्रंप से आमने - सामने मिलने का डर मोदी द्वारा शिखर सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करने का एक कारण हो सकता है।

कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन से मोदी की अनुपस्थिति परंपरा से बिल्कुल अलग थी। 2014 के बाद से, उन्होंने हर शिखर सम्मेलन में भाग लिया है, सिवाय 2022 के, जबकि 2020 और 2021 के संस्करण महामारी के कारण वर्चुअली आयोजित किए गए थे।

भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते पाकिस्तान संघर्ष के पांच महीने बाद से खराब हो गए हैं। अगस्त में, ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया, जिनमें से आधे शुल्क भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद के लिए एक दंड के रूप में लगाए गए थे। तब से व्यापार वार्ताएँ चल रही हैं और कोई स्पष्ट सफलता दिखाई नहीं दे रही है।

एक सूत्र ने ब्लूमबर्ग को बताया कि रिपोर्ट के अनुसार, मोदी की टीम को मलेशिया में ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक से कोई खास लाभ नहीं दिख रहा था। पिछले सप्ताह दोनों नेताओं के बीच एक फोन कॉल "नई दिल्ली की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा।"

केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने ब्लूमबर्ग की टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

ब्लूमबर्ग के सूत्रों ने कहा, मोदी अगले सप्ताह शुरु होने वाले महत्वपूर्ण बिहार चुनावों में भाजपा के अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, ऐसे में मोदी के सहायकों का मानना था कि ट्रंप से एक संभावित विवादास्पद मुलाकात राजनीतिक रूप से उल्टी पड़ सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका के राष्ट्रपति की तरफ से कोई भी विवादास्पद टिप्पणी, खासकर पाकिस्तान के बारे में, विपक्ष द्वारा उठाई जा सकती थी।

ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने में मदद की और यहां तक कि यह सुझाव दिया है कि उन्हें उस संघर्ष और अन्य संघर्षों को हल करने में भूमिका के लिए नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। इस सप्ताह उनकी मलेशिया यात्रा में थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

मंगलवार को ट्रंप ने फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में अपनी भूमिका पर जोर दिया। टोक्यों में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "मैंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा, आप बहुत अच्छे इन्सान हैं और पाकिस्तान में फील्ड मार्शल से भी कहा, "देखो, अगर तुम लड़ाई करोगे तो हम कोई व्यापार नहीं करेंगे।"

किसी समय एक-दूसरे के करीबी सहयोगी माने जाने वाले मोदी और ट्रंप के रिश्ते अब घरेलू आलोचना का शिकार बन चुके हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, "ट्रंप एक के बाद एक मोदी का अपमान कर रहे हैं। सबसे ताजा मामला दक्षिण कोरिया का है।"

राहुल गांधी ने लिखा, "ट्रंप ने दोहराया कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए व्यापार का इस्तेमाल किया।"

उन्होंने पीएम पर अक्सर किया जाने वाला तंज भी कसा: "डरो मत मोदी जी, जवाब देने का साहस जुटाओ।"

मोदी और ट्रंप के बीच तनाव जून में 35 मिनट की एक कॉल के बाद सामने आया, जिसमें संघर्ष पर चर्चा हुई थी, जैसा कि ब्लूमबर्ग ने पहले रिपोर्ट किया था।

मलेशिया जाने के बजाय, मोदी ने रविवार को आसियान शिखर सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित किया।

सूत्रों ने ब्लूमबर्ग को बताया कि आगामी महीनों में यदि व्यापार वार्ताओं में कोई प्रगति होती है, तो मोदी-ट्रंप की बैठक हो सकती है।

अयोध्या की चौदह कोसी परिक्रमा शुरु

अयोध्या, 29 अक्टूबर। अयोध्या की पौराणिक चौदह कोसी परिक्रमा को शुरू करने का श्रद्धालुओं के लिए शुभ मुहूर्त आज की रात्रि के अंतिम पहर, अर्थात 30 अक्टूबर को प्रातः चार

- श्रद्धालुओं ने मुहुर्त से पहले ही परिक्रमा शुरु कर दी। मुहुर्त 30 अक्टूबर सुबह 4.43 का था।

बजकर 43 मिनट से हैं, लेकिन उत्साही श्रद्धालुओं ने इसकी चिंता किए बिना जय राम के गगनभेदी जयकारों के साथ चौदह कोसी परिक्रमा शुरू कर दी है।

परिक्रमार्थियों को परिक्रमा करने के दौरान कोई कष्ट न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था की है। परिक्रमा पथ पर जगह-जगह विश्राम स्थल बनाए गये हैं, जहां परिक्रमार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था है। प्रशासन ने पर्याप्त संख्या में चिकित्सा शिविर और सूचना केन्द्र भी स्थापित किया है।

विचार बिन्दु

सच्चा गुरु अनुभव है। –स्वामी विवेकानंद

आधुनिक काबुलीवाला

ऐसी आवाजें भारत के लगभग हर गाँव की गलिओं में आज़ादी से पूर्व और उसके कुछ वर्ष पश्चात् तक बहुधा सुनाई देती थी। कौन था यह काबुलीवाला जिसके बारे में आवाजें सुनकर गांव के घरों से महिलाएं, तरुण बच्चिओं और बालक सभी उस आवाज की तरफ काबुलीवाले को देखने-मिलने को दौड़ पड़ती थी। यह काबुलीवाला कोई आश्चर्य नहीं था और न ही श्रद्धेय रविंद्रनाथ टैगोर का किताबी काबुलीवाला, जिसे लगभग हर भारतीय ने तब पढ़ा, गुना और सराहा। अंततोगत्वा श्री रविंद्र नाथ जी टैगोर तो सभी दृष्टिओं से एक विशाल व्यक्तित्व थे, गीतांजलि आदि अनेक रचनाएँ उन्होंने की और पूरी दुनियां ने तब उनके सृजन व् रचनाओं को खूब सराहा और वे विश्व उत्कृष्ट पुरष्कार 'नोबेल' से अलंकृत किये गए और इस पुरुस्कार के पाने वाले वे प्रथम भारतीय व्यक्ति बने। मैं समझता हूँ इस चोटी के साहित्यकार ने अपनी रचना 'काबुलीवाला' भी भावनात्मक दृष्टि से उच्च कोटि की बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी होगी।

आजकल के लोग तो काबुलीवाला कथानक की गहनता को समझ भी नहीं सकते। मैं तब बालक था अपने गांव में माता-पिता के घर पर ही बहन-भाईओं के साथ ही रहता था। काल होगा संभवत: 1947 से 1953-54 का, गांव में एक अफगानी व्यक्ति सामान की एक बड़ी सी गठरी लेकर आता था। गठरी में काबुलीवाला बहुधा सूखे मेवे– अखरोट, बादाम, काजू, पिस्ता, किशमिश और महिलाओं, बालिकाओं हेतु भिन्न-भिन्न वस्तुओं के आइटम लाया करता था। वह अफगानी शख्स काबुलीवाला कहलाता था।

यूरोप की तरफ जाते हुए पाकिस्तान से आगे अफगानिस्तान देश हुआ करता था। काबुल उस देश की राजधानी थी, आज भी है। भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, ईराक और मिश्र जैसे देश एक-दूसरे से सटे हुए थे। सभी जगह रहन-सहन लगभग समान सा ही था। गरीबी अपने चरम पर थी। शिक्षा और रोजगार की अत्यधिक कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, कोई बड़े उद्योग नहीं थे, कुटीर धंधे ही लोगों की जीविका का साधन थे। ऐसे में अफगानिस्तान भी अछूता नहीं था, आवागमन के साधन भी विकसित नहीं हुए थे। घोडा, ऊँट, सवारिओं और माल ढोनें में प्रयोग होते थे। ऊँट गाड़ियां तो घरनुमा बनती थी जो डबल डेकर होती नीचे सामान लाद लिया और सवारियां ऊपर सो जाती। बाइसकिल, मोटर साइकिल, कार, मोटर गाडी, ट्रक तब नाम मात्र को चलन में थे। नदी नहरों में नाव से आवागमन और माल परिवहन अनेक स्थानों पर पनप गया था। ऐसे समय में अफगानी लोग अपने परिवार के भरण पोषण के लिए अन्य देशों को तिजारत के लिए पलायन करते थे। भारत भी तब आर्थिक दृष्टि से कमजोर ही था। खेती में अन्न की पैदावार अच्छी नहीं थी। हाँ, जंगल चरागाह अधिक होने से पशुओं का पालना सुगम था जिससे दूध, दही, घी की प्रचुरता हर घर में रहती।

सोचिए सड़क मार्ग विकसित नहीं हुए थे रेल सुविधा भी नगण्य सी थी। ऐसी कठिन परिस्थितिओं के रहते अफगानी तिजारत के लिए घर से ऊंटों, घोड़ों पर निकलते, सामान एकत्रित करते और मुख कर लेते भारत की तरफ, जहाँ पहुंचकर उन्हें सकूंन मिलता और अपने देश जैसा सामाजिक सौहार्दपूर्ण माहौल। भाषा कोई समस्या नहीं होती। धीरे-धीरे बोली समझ आ जाती और फिर सम्बन्ध बनते तिजारत चल उठती। मुझे अपने बचपन का वो दृश्य काबुलीवाले का याद है जब वह परदेशी ग्रामीण महिलाओं, बच्चों आदि से घंटों बतियाता रहता जैसे माल बेचने की उसे कोई फिक्र ही न हो। देर होने पर फिर अपनी गठरी बाँध तेजी से चल देता दूसरे गांव ओर। पीछे बच्चे काफी देर तक उसको काबुलीवाला कह पीछा कर पुकारते रहते। दूर से ही वह दुबारा फिर आने की कह कर ओझल हो जाता।

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री को हमारे उस अफगानी काबुलीवाले की बदस्थिति का आभास हो गया। और उन्होंने तत्काल अफगानिस्तान से राजनायक सम्बन्ध न होते हुए भी अफगानी पीड़ित जनता की सहायता हेतु विशाल ट्रकों में खाद्य सामग्री, दवाइयां, कपडे और अन्य जरुरत की वस्तुएं लदवा कर तत्काल अफगानिस्तान भिजवा दी। काबुल की सड़कों पर सामग्री से लदे भारतीय ट्रकों को वहां के लोगों ने देखा तो अचंभित और द्रवित हुए बिना न रह सके।

कालांतर में न जाने क्यों दृश्य बदल गया, भागदौड़, चिल्ल्पो, अव्यवस्था भारत के परिवेश में घर कर गई। काबुलीवाला भी नहीं आया, क्या यहाँ उसे प्यार नहीं मिला, सहयोग नहीं मिला या अच्छा व्यवहार नहीं मिला, क्या हुआ किसी ने नहीं जाना और कोशिश भी नहीं की जान ने की। हम इतने खुदगर्ज निकले। काबुलीवाले की सेवा का प्रतिफल भी उसे नहीं दिया। वर्षों तक वह हमारी मांगें दूरदराज गांव तक पूरी करता रहा कभी भूला नहीं। कविवर टैगोर जी ने उसकी हृदय की धड़कन सुन ली और उसके दास्ताँ पन्नों पर उकेर काबुलीवाले को भारत भूमि पर अमर कर दिया।

फिर एक ऐसा काल खंड आया सब कुछ बदल गया। गरीब देशों की स्थितियां बदल गई। सब जगह अफरा तफरी का माहौल और राजनीति ऐसी हावी कि देश और समाज एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन हो गए। भाई चारा, सामाजिक मेलजोल सभी तिरोहित हो गए। लगभग पचहत्तर वर्षों की लम्बी अवधि, आगा-पीछा सब कुछ भूल बैठे। अफगानिस्तान ने भी यह सब झेला और सभी अफगानी अपने संघर्ष में बहुत पिछड़ गए। नौबत अफगानी जनता की बदहाली और भूखे रहने तक की आ गई। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री को हमारे उस अफगानी काबुलीवाले की बदस्थिति का आभास हो गया। और उन्होंने तत्काल अफगानिस्तान से राजनायक सम्बन्ध न होते हुए भी अफगानी पीड़ित जनता की सहायता हेतु विशाल ट्रकों में खाद्य सामग्री, दवाइयां, कपडे और अन्य जरुरत की वस्तुएं लदवा कर तत्काल अफगानिस्तान भिजवा दी। काबुल की सड़कों पर सामग्री से लदे भारतीय ट्रकों को वहां के लोगों ने देखा तो अचंभित और द्रवित हुए बिना न रह सके। भारत के प्रधानमंत्री ने इस मदद की कोई घोषणा अथवा प्रचार नहीं किया। केवल मानवीय आधार पर उन्होंने यह कदम उठा लिया। ऐसा प्रतीत होता है हमारे मोदी जी को पुराने काबुलीवाले की याद आ गई। इस बिना कही मदद का भावनात्मक प्रभाव ऐसा हुआ कि बिना किसी पूर्व तैयारी के अफगानिस्तान या वर्तमान तालिबान का दूतावास शायद दिल्ली में खुल भी गया। हो सकता है भारत ने भी अपना दूतावास काबुल में स्थापित कर लिया हो? लेकिन पहल अफगानिस्तान ने की, या भारत ने पाठक और दोनों देशों की जनता और पूरी दुनियां आंकलन करे, जो पहले वो मीर। बहराल कुछ भी हो कुछ दशक पूर्व से टूटे पारम्परिक सम्बन्ध फिर से जुड़ गए, बिना किसी कवायद और राजनैतिक अथवा अन्य किसी प्रकार की घटना घटे और सम्बाद के। जब दिलों का मेल हो गया फिर वाकी तो औपचारिकता ही बची रहती है। आशा करते हैं यह दोस्ती भविष्य में समय के साथ दृढ से दृढ होती जाएगी। और हमें तो अपार खुशी तब होगी जब फिर से हमारे गावों में काबुलीवाला शब्द गूंजेगा। दो पुराने देशों की पारम्परिक मित्रता परवान चढ़ेगी तो दोनों पक्ष खुशहाल होंगे।

जय हो काबुली वाले, काबुली वाले साहस रखिये आप फिर उठ खड़े होंगे। हम भारतीओं की यही शुभकामनाएं।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं खाद्य प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर-राज.)

राशिफल गुरूवार 30 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र सायं 6:34 तक, शूल योग प्रात: 7:21 तक, बव करण दिन 10:07 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग सायं 6:34 से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी, गोपाष्टमी, अक्षय कुष्मांड नवमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:02 तक, चर 10:48 से 12:10 तक, लाभ-अमृत 12:10 से 2:56 तक, शुभ 4:19 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:39, सूर्यास्त 5:42 तक

मेष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

धनु
आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी अनबन-मतभेद हो सकते हैं। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

पेटेंट टर्म एक्सपायरी: जेनेरिक एग्रोकेमिकल निर्माता व विपणन कंपनियों के लिए अवसर

जेनेरिक एग्रोकेमिकल की सहज जन-उपलब्धता से कृषि क्षेत्र में राहत मिलेगी!

विकास आसावत

भारत वर्ष 1995 से विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है व इसकी बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधी पहलुओं (ट्रिप्स) संधि के अनुसार समंब्धित घरेलु कानून को न्यूनतम मानक अनुरूप करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी बाध्यता के अंतर्गत भारत ने वर्ष 1999 से 2005 में पेटेंट काननू मे कुछ आवश्यक संसोधन कर दवा, पेट्रोकेमिकल व एग्रोकेमिकल के क्षेत्र में प्रोडक्ट पेटेंट लागू किया।

पेटेंट एक सीमित अवधि अधिकार है जो 20 वर्ष के पश्चात सार्वजनिक बन जाता है व किसी भी एग्रो कंपनी के पास पेटेंट सम्बंधित जेनेरिक प्रोडक्ट या प्रोसेस को उचित मूल्य पर बाजार व क्रेता को उपलब्ध कराने का अवसर होता है। जेनेरिक एग्रोकेमिकल मूल इन्नोवेटर निर्माता के अलावा किसी अन्य कंपनी द्वारा निर्मित और बेचा जाता है, लेकिन उसमें भी पेटेंटेड फार्मूलेशन में मौजूद एक्टिव इंग्रेडिएंट्स ही होते हैं। एग्रो केमिकल फसलों को कीटों और रोगों से बचाकर नुकसान को कम करके उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दवा और कृषि-रसायन उत्पादों से समबन्धित पेटेंट एक्ट के सेक्शन 107 ए (ए) के अनुसार जेनेरिक निर्माताओं को पेटेंट की समाप्ति से पूर्व अपने उत्पादों के लिए नियामक अनुमोदन/ ट्रायल की प्रक्रिया शुरू कर सकते है, जिससे पेटेंट की समाप्ति के बाद उत्पाद को बाज़ार में न्यूनतम समय में लाया जा सके। क्लोरेंट्रानिलिप्रोल (सीटीपीआर) (अर्थरोपोडिकल अँथ्रानिलामाइड) और सीटीपीआर तैयारी की प्रक्रिया से संबंधित पेटेंट अगस्त 2022 में ही एक्सपायर हो चूका है। सीटीपीआर एक सिंथेटिक आर्गेनिक कंपाउंड है जिसका सम्बन्ध एंथ्रानिलिक डायमाइड वर्ग से है। इन पेटेंट्स के एक्सपायर होने से सक्रिय घटक सीटीपीआर युक्त कीटनाशक के जेनेरिक्स मार्किट में बहुतायत व कम कीमत पर उपलब्ध हो गए है।

ज्ञात रहे कृषि रसायनों जैसे कीटनाशक, कवकनाशक, शाकनाशक को बिक्री और वितरण के लिए आयात/निर्मित किए जाने से पहले कीटनाशक अधिनियम की धाराओं के तहत कृषि मंत्रालय के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति के साथ पंजीकृत होना आवश्यक है। क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल हानिकारक कीटों (जैसे दीमक, तना छेदक, फली छेदक, लीफ फोल्डर, फल भेदक) को लक्षित करता है, लेकिन लाभकारी जीवों पर हमला नहीं करता। इसलिए, यह विभिन्न फसलों जैसे धान, गोभी, गन्ना, कपास, सोयाबीन, टमाटर, बैंगन, मिर्च और विभिन्न सब्जी में पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन कार्यक्रमों के लिए उपयुक्त है।

इसी वर्ष दिसंबर माह में सीटीपीआर के निर्माण से संबंधित ''एन- फेनिलपाइराज़ोल- 1- कार्बोक्सामाइड्स तैयार करने की विधि'' के लिए प्रक्रिया पेटेंट भी अपना टर्म पूरा कर रहा है व उसके बाद इसके पब्लिक डोमेन में आने से इस विधि का उपयोग कोई भी निर्माता बिना किसी अनुमति व लाइसेंस के व्यावसायिक निर्माण और विक्रय कर सकेगा।

सीटीपीआर को विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों के रूप में तैयार किया जाता है, जिनमें ग्रैन्यूल्स, वेटेबल पाउडर और सस्पेंशन कंसन्ट्रेट शामिल हैं। जेनेरिक विनिर्माण के साथ ही भारतीय कृषि रसायन कंपनियां अपनी अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं और उत्पाद मिश्रण में नए फॉर्मूलेशन पेश करने पर तेजी से ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इस सम्बन्ध में सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत सरकार का ऑफ-पेटेंट/जेनेरिक के लिए कृषि रसायन प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों के लिए एकीकृत अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम एक प्रगतिशीत कदम है।

वही हालिया रुझान के अनुसार बायो पेस्टिसाइड के क्षेत्र में कम्पनीज द्वारा पेटेंट फाइलिंग का रुझान देखने को मिल रहा है। बैसिलस थुरिंगिएन्सिस, ट्राइकोडर्मा, स्यूडोमोनास, मेटारिज़ियम, ब्यूवेरिया और अन्य जैसे जैव कीटनाशक स्थायी फसल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में, लगभग 20 सूक्ष्मजीव जैव कीटनाशकों के रूप में पंजीकृत हैं, जिन्हें कवक, बैक्टीरिया और वायरस में वर्गीकृत किया गया है।

हमारे देश के निर्माता पेटेंट टर्म पूरा कर चुके कृषि और रासायनिक उत्पादों के जेनेरिक्स का निर्माण अत्यंत कम लागत पर करने में सक्षम है जिसके कारण ये छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद उपयोगी हैं। साथ ही इनका निर्माण भारत में होने से विभिन्न प्रकार के कुशल और अर्ध-कुशल पेशेवरों व कार्मिको के लिए रोज़गार के सुअवसर उपलब्ध होता है व हमारे आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल को बल मिलता हैं। एग्रो केमिकल जेनेरिक्स का बड़ा स्टॉक निर्यात योग्य होता है जिससे मूल्यवान विदेशी मुद्रा का भी अर्जन होता है व इकॉनमी को ट्रेड सरप्लस मिलता है।

जैसा की विदित है के आने वाले वर्षो में में कई महत्वपूर्ण एग्रो केमिकल्स के पेटेंट टर्म पूरे होने को है जिससे इनके किफायती व गुणवत्तायुक्त जेनेरिक वर्जन को मार्केट में उतरने का मौका मिलेगा जो निर्माता के साथ साथ जनता विशेषकर कृषक के लिए हितकारी है। सम्बंधित उद्योग निकट भविष्य में पेटेंट टर्म पूरा करने वाले कृषि रसायनो की घटको व विनिर्माण विधि सम्बंधित जानकारी जुटा के सही समय पर विस्तृत बायो-एफिकैसी व फील्ड ट्रायल को प्राथमिकता दे ताकि पेटेंट समाप्ति के बाद एग्रो केमिकल्स का जेनेरिक वर्जन जल्द से जल्द उपलब्ध हो।

–विकास आसावत,
पेटेंट अटॉर्नी एवं एडवोकेट

ट्रंप के मुकाबले मारिया को ''नोबेल'', नोबेल समिति का दुनिया को संदेश

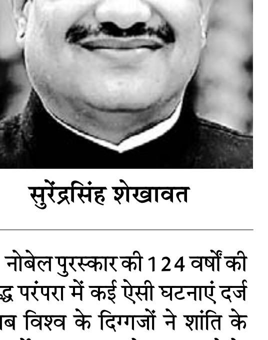

सुरेंद्रसिंह शेखावत

नोबेल पुरस्कार की 124 वर्षों की समृद्ध परंपरा में कई ऐसी घटनाएं दर्ज हैं जब विश्व के दिग्गजों ने शांति के इस सर्वोच्च सम्मान को प्राप्त करने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से प्रयास किए। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हालिया गिड़गिड़ाना निश्चित रूप से एक अनोखा अध्याय जोड़ता है। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा के ठीक पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया से लेकर कूटनीतिक मंचों तक अपनी लॉबीइंग को चरम पर पहुंचा दिया था।

एक्स पर दर्जनों पोस्ट, सहयोगी देशों के नेताओं से फोन कॉल्स और यहां तक कि व्हाइट हाउस के आधिकारिक बयानों में मध्य पूर्व शांति समझौतों का बार-बार जिक्र, यह सब एक हाई-वोल्टेज ड्रामे की तरह लगा। लेकिन नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने इस शोर-शराबे को ठुकराते हुए वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना माचाडो को सम्मानित करने का फैसला किया। यह निर्णय न केवल ट्रंप की महत्वाकांक्षा को आईना दिखाता है, बल्कि वैश्विक शांति की परिभाषा को भी नई दिशा देता है ।

ट्रंप का नोबेल अभियान कोई नई बात नहीं है। 2018 में ही उन्होंने अब्राहम समझौतों के बाद खुद को शांति का वास्तुकार घोषित कर दिया था। लेकिन 2025 में, जब वह दूसरे कार्यकाल में लौटे, तो यह अभियान एक व्यक्तिगत जुनून में बदल गया। जुलाई 2024 के चुनावी विजय के बाद ट्रंप ने तत्काल मध्य पूर्व, यूक्रेन और ताइवान जैसे मुद्दों पर ट्रंप डील की घोषणा की। अगस्त में उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा, ''मैंने दुनिया को युद्धों से बचाया है, नोबेल समिति को अब समय आ गया है कि वह सच्चाई को पहचाने।'' सितंबर तक, उनके समर्थक इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पत्र लिखकर समिति से अपील की। ट्रंप ने खुद एक्स पर पोस्ट किया, ''नोबेल? यह मेरा हक है ! दुनिया देख रही है।'' यह गिड़गिड़ाना न केवल अमेरिकी राष्ट्रपति की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि शांति पुरस्कार की पवित्रता पर भी सवाल खड़े करता है।

क्या ट्रंप का दावा जायज था? निश्चित रूप से, उनके कार्यकाल में अब्राहम समझौते एक मील का पत्थर थे। संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सूडान और मोरक्को के साथ इजरायल के सामान्यीकरण ने मध्य पूर्व में एक नई हवा का संचार किया। यूक्रेन युद्ध में उनकी तत्काल समाप्ति की धमकी ने रूस को वार्ता की मेज पर ला खड़ा किया। लेकिन नोबेल समिति का मूल्यांकन सतही उपलब्धियों पर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक शांति पर आधारित होता है। ट्रंप की नीतियां-जैसे ईरान पर अधिकतम दबाव, अफगानिस्तान से अचानक विदाई, और अमेरिका फर्स्ट का सिद्धांत-ने अस्थिरता को बढ़ावा दिया। ईरान का परमाणु समझौता तोड़ना, जो ओबामा युग की विरासत था, ने क्षेत्रीय तनाव को भड़काया। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी ने मानवीय संकट को जन्म दिया। ट्रंप का ड्रामा इन विफलताओं को छिपाने का प्रयास लगता है। नोबेल इतिहासकारों का मानना है कि अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत में भाईचारे की भ्रातृभावना का उल्लेख है, जो व्यक्तिगत महिमामंडन के विपरीत है। ट्रंप का अभियान इसी भाईचारे को बाजारू बनाता प्रतीत होता है।

दूसरी ओर, मारिया कोरिना माचाडो का चयन नोबेल समिति की साहसी दृष्टि का प्रतीक है। वेनेजुएला की इस 56 वर्षीय अर्थशास्त्री और विपक्षी नेता ने निकोलस मादुरो के तानाशाही शासन के खिलाफ एक अथक संघर्ष छेड़ा है। 2014 से वे गिरफ्तारी, निर्वासन और राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार रहीं। जुलाई 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में, जहां मादुरो ने धांधली से सत्ता हथियाई, माचाडो ने लाखों वेनेजुएलावासियों को सड़कों पर उतार दिया। उनकी डेमोक्रेटिक रेसिस्टेंस आंदोलन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जागृत किया, जिसके फलस्वरूप अमेरिका, यूरोपीय संघ और लैटिन अमेरिकी देशों ने मादुरो पर प्रतिबंध लगाए।

माचाडो का संघर्ष शांति का एक अनूठा रूप है-यह सशस्त्र विद्रोह नहीं, बल्कि अहिंसक प्रतिरोध है। उन्होंने कहा है, ''शांति तानाशाहों की दया पर नहीं, लोकतंत्र की जीत पर टिकी है।'' नोबेल समिति ने उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि यह पुरस्कार ''दमित आवाजों के लिए एक संदेश है, जो तानाशाही के खिलाफ खड़े होते हैं।''

यह निर्णय वेनेजुएला के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है। तेल-समृद्ध यह देश 2013 से आर्थिक तबाही, भुखमरी और मानवीय संकट से जूझ रहा है। मादुरो का शासन, जो ह्यूगो शावेज की विरासत पर टिका है, ने 75 लाख से अधिक शरणार्थियों को जन्म दिया। माचाडो का चयन न केवल वेनेजुएला को वैश्विक पटल पर लाता है, बल्कि लैटिन अमेरिका के उभरते लोकतांत्रिक आंदोलनों को प्रेरित करता है। ब्राजील की लूला सरकार और कोलंबिया के गुतिरेज जैसे नेता पहले ही बधाई दे चुके हैं। लेकिन ट्रंप का अभियान इस संदर्भ में विडंबनापूर्ण है। ट्रंप ने मादुरो को सामान्य कहकर संबोधित किया था, लेकिन 2025 में उन्होंने वेनेजुएला पर नए प्रतिबंध लगाए। क्या उनका नोबेल दावा वेनेजुएला जैसे संकटों को हल करने का था, या मात्र प्रचार? माचाडो का पुरस्कार ट्रंप को याद दिलाता है कि शांति डील्स से नहीं, बल्कि पीड़ितों के संघर्ष से उपजती है।

इस घटना के व्यापक निहितार्थ वैश्विक नेतृत्व की प्रकृति पर सवाल उठाते हैं। ट्रंप युग में अमेरिकी विदेश नीति ट्रांजेक्शनल हो गई जो सौदेबाजी पर आधारित है। लेकिन नोबेल शांति पुरस्कार, जो मार्टिन लूथर किंग जूनियर, मलाला यूसुफजई और दलाई लामा जैसे व्यक्तियों को मिला मूल्यों पर टिका है। ट्रंप का गिड़गिड़ाना पॉपुलिस्ट नेताओं की एक प्रवृत्ति को उजागर करता है-जो व्यक्तिगत ब्रांडिंग को राष्ट्रीय हितों पर तरजीह देते हैं। क्या यह लोकतंत्र के लिए खतरा है? हां, क्योंकि जब राष्ट्राध्यक्ष पुरस्कारों के पीछे भागते हैं, तो वे जनता की अपेक्षाओं को भुला देते हैं। नोबेल समिति का ना कहना एक स्वस्थ लोकतांत्रिक सुधार है। यह दर्शाता है कि ओस्लो की छोटी-सी समिति अब भी शक्ति के गलियारों से ऊपर है।

वेनेजुएला के परिप्रेक्ष्य से देखें तो माचाडो का पुरस्कार एक मोड़ है। मादुरो ने घोषणा के बाद इसे यांकी साजिश करार दिया, लेकिन यह उनकी कमजोरी को उजागर करता है। माचाडो ने कहा, ''यह पुरस्कार मेरे लिए नहीं, वेनेजुएला के 2.8 करोड़ लोगों के लिए है।'' अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ेगा, और शायद 2026 के चुनावों में लोकतंत्र की बहाली संभव हो। ट्रंप की लॉबीइंग ने अनजाने में इस मुद्दे को वैश्विक मंच पर ला दिया, जो एक सकारात्मक सह-उत्पाद है।

अंत में, यह घटना नोबेल की आत्मा को पुनर्जीवित करती है। 1901 में पहला शांति पुरस्कार हेनरी डुनेंट को मिला, जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से घायलों की सेवा की। ट्रंप का ड्रामा आधुनिक राजनीति की चकाचौंध है, जबकि माचाडो का संघर्ष नोबेल की मूल भावना है- अहिंसा, न्याय और मानवता। 124 वर्षों में पहली बार एक राष्ट्रपति का ऐसा अपमान शायद आवश्यक था, ताकि हम याद रखें कि शांति कोई पुरस्कार नहीं, बल्कि एक निरंतर संघर्ष है। ट्रंप को इससे सीखना चाहिए- महत्वाकांक्षा की जगह विनम्रता लाए । दुनिया यह जाने कि सच्ची शांति सड़कों पर, निर्वासितों के बीच जन्म लेती है, न कि व्हाइट हाउस के कॉन्फ्रेंस रूम में। यदि नोबेल समिति ने ट्रंप को चुना होता, तो यह पुरस्कार की गरिमा को धूमिल करता; लेकिन माचाडो का चयन इसे चमकाता है।

–सुरेंद्रसिंह शेखावत,
बीकानेर (लेखक राजनीतिक कार्यकर्ता और स्वतंत्र टिप्पणीकार है)

विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा को उभारने का कार्य करें विश्वविद्यालय : राज्यपाल बागड़े

■ **राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर का लोकार्पण**

कोटा, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सभी विद्यार्थियों में विशिष्ट प्रतिभा एवं कौशल होता है, जिसे प्रोत्साहन मिलने पर विद्यार्थी अपनी कला का प्रदर्शन कर देश एवं दुनिया में नाम रोशन करते हैं। उनके भीतर छुपे कौशल को उभारने के प्रयास विश्वविद्यालयों को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर भी विद्यार्थियों में सृजनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए नवाचारों के केन्द्र के रूप में अपनी अलग पहचान कायम करेगा। इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी अपने भीतर छुपी हुई प्रतिभा एवं गुणों को निखार सकेंगे। राज्यपाल बागड़े बुधवार को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा में नवनिर्मित स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर के लोकार्पण के बाद मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि प्रैक्टिकल ज्ञान के अभाव में डिग्री का कोई उपयोग नहीं है, इसलिए, विद्यार्थी केवल पाठ्य पुस्तक पढ़कर डिग्री हासिल करने की अपेक्षा व्यावहारिक एवं प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करने पर अधिक ध्यान दें।

कोटा आरटीयू में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने स्टूडेन्ट्स एक्टिविटी सेंटर का लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी के कला-कौशल में इतना निखार लाया जाए कि वे विद्यार्थी बाहर जाकर राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय की अलग पहचान कायम करें। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि विद्यार्थियों में विशेष स्किल को निखारने में यह सेंटर उपयोगी साबित होगा। उन्होंने नवनिर्मित सेंटर के उद्घाटन के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल बागड़े ने सभी विद्यार्थियों का आह्वान किया कि आगे बढ़कर राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में योगदान दें।

कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि एवं उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान कर उनमें कौशल विकसित करना है। हमारे तकनीकी विश्वविद्यालय इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। शिक्षा में अब केवल पाठ्यपुस्तक एवं कक्षा-कक्ष तक सीमित नहीं रहकर विद्यार्थी को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। डॉ.बैरवा ने उपस्थित लोगों से स्वदेशी को अपनाकर देश को विश्वगुरु बनाने का आह्वान किया। इससे पहले राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.निमित चौधरी ने राज्यपाल एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि नया स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर 8 करोड़ रुपए की लागत से 2633 वर्गमीटर में निर्मित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सेंटर में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाएगा।

लोकार्पण कार्यक्रम में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु प्रो. कैलाश सोढानी, कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी.एल. वर्मा, कृषि विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ. विमला डूंगवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। आरटीयू की कुलसचिव भावना शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े एवं उप मुख्यमंत्री डॉ.बैरवा सहित अन्य अतिथियों ने स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर परिसर में पौधारोपण भी किया।

सार-समाचार

कार्यशाला का आयोजन

तारानगर (निसं)। तारानगर के वर्षा कंदोई गेस्ट हाउस में भाजपा का आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की विधानसभा स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। शहर मंडल अध्यक्ष अनूप खंडेलवाल ने स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलाई। सम्मेलन में मुख्य अतिथि, अभियान प्रदेश प्रभारी एंव भाजपा प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का संकल्प केवल एक नारा नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण की दिशा में जन-जन का अभियान है। हर व्यक्ति हर संगठन और हर विचार जब स्वदेशी की भावना से जुड़ता है, तब भारत की शक्ति और सामर्थ्य अनेक गुना बढ जाती है। लोकसभा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझडिया ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य केवल एक सरकारी योजना नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना, कौशल विकास को प्रोत्साहित करना और गांव-गांव में रोजगार के अवसर पैदा करना है।जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि सरकार योजनाओं की जानकारी गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएं ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति को भी इनका लाभ मिल सके। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पराक्रम सिंह राठौड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान देश को स्वदेशी अपनाने और देश में बनी वस्तुओं का पूर्णतः उपयोग में लेने का सशक्त माध्यम है, आज देश जिस प्रकार आत्मनिर्भर बन रहा है वो स्वदेशी के कारण ही सम्भव हो रहा है। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं भाजपा नेता राकेश जांगिड ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश आज़ादी से पहले सोने की चिडिया कहलाता था क्योंकि भारत के लोग भारत में बनी वस्तुएं काम में लेते थे जबकि आज हम विदेशी वस्तुओं पर निर्भर हो गये हैं लेकिन 2014 के बाद जब से नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं स्वदेशी अपनाने की मुहिम तीव्र हुई है।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान आयोजित

नोहर, (निसं)। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत नोहर विधानसभा सम्मेलन का आयोजन यहां अग्रसेन भवन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक अभिषेक मटोरिया ने की। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रमोद डेलू मौजूद रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की चर्चा करते हुए उनको जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियांवान कर रही है। इसके साथ ही वोकल फ़ॉर लोकल को बढ़ावा देते हुए आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आमजन को इस संबंध में जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अभिषेक पारीक, कार्यक्रम संयोजक बसंत तिवारी, सहसंयोजक विनोद जाखड़, भाजपा जिला महामंत्री नंदलाल वर्मा, रावतसर पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि धर्मपाल सियाग, रामकृष्ण भाकर, देहात मंडल अध्यक्ष राकेश पुनिया, पूनम हिसारिया, सरपंच प्रतिनिधि कल्याण सिंह, भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक विनोद गोल्याण आदि मौजूद रहे।

नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

रतनगढ़ (निसं)। रतनगढ़ माहेश्वरी सभा ट्रस्ट, शंकरा आई हॉस्पिटल व जिला अंधता निवारण समिति, जयपुर व स्व. गोपाललाल एवं स्व. श्रे कँवर मोहता की स्मृति में 32 निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन बुधवार को माहेश्वरी भवन में हुआ। ट्रस्टी व शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि शिविर में 92मरीजों की मोतियाबिंद जांच कर 46 मरीजों का चयन नेत्र लैंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया गया। वहां उनका ऑपरेशन गुरुवार को आधुनिक तकनीक द्वारा बिना टांके का किया जाएगा। शिविर शुरू होने से पूर्व भगवान शंकर की प्रतिमा के आगे भामाशाह रमेश चन्द्र तापडिया, मधु तापडिया, श्वेता तापडिया व डॉ. दीप शिखा ने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। रामोतार चांडक व एडवोकेट रजनीकांत सोनी ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। शिविर में शकरा आई हॉस्पिटल की टीम, माहेश्वरी समाज के राकेश जाजू,रामकिशन चांडक, महेश जाजू, नरेश पेडीवाल,मंजू लढा, सरिता चांडक,सुनीता झंवर,जयश्री जाजू, कम्मा, महावीर रामगढिया, श्याम सुंदर बंशीवाल अनेक गणमान्य व्यक्ति व सैकड़ों मरीज उपस्थित थे।

बच्चों को साफ-सफाई का महत्व बताया

रतनगढ़ (निसं)। आरयूआईडीपी के अधिक्षण अभियन्ता राकेश शरण गर्ग के निर्देशन में व सहायक अभियन्ता सुरेन्द्र पाल सिंह के मार्गदर्शन में वार्ड नं. 44 के श्री अजीतसरिया गायत्री आदर्श विधा मन्दिर माध्यमिक विद्यालय में स्कूल जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस इस कार्यक्रम में जन सहभागिता इकाई के प्रवीण सिंह राठौड व छोटू सैनी ने सीवरेज व ड्रेनेज परियोजना के लाभ के बारे में जानकारी देते हुए बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता व घरेलू स्वच्छता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई बच्चों को प्रतिदिन दिनचर्या में स्नान करना, नाखून काटना व हाथ धोने के तरीके के बारे में बताया गया तथा घर से लेकर आस -पास के गलियों में बच्चों का साफ-सफाई के योगदान पर प्रकाश डाला गया जिसमें बताया गया की घर का कच्चरा, कच्चरे वाली गाडी में डालना चाहिए किसी प्रकार का छिलका व प्लास्टिक की थैली सडक पर नहीं डालनी चाहिए हम सबको सार्वजनिक स्थानों पर लगाये गये डस्टबिन का प्रयोग करना चाहिए रतनगढ शहर को साफ, स्वच्छ ओर सुन्दर बनाने के लिए सभी के योगदान की आवश्यकता है कार्यक्रम में विधालय के शिक्षक, कृष्ण मोहन, लक्ष्मीकांत, शिक्षका पुष्पा स्वामी , ममता शर्मा ने भाग लिया गोपालजी स्वामी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

तारानगर (निसं)। तारानगर उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में तारानगर के राजकीय मां जालपा देवी महाविद्यालय बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बूथ लेवल एजेंट व बूथ लेवल ऑफिसर को निर्वाचन कार्यों के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में विशेष रूप से मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन की प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने उपस्थित प्रतिभागियों से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु सक्रिय सहयोग का आग्रह किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तहसीलदार हनुमानसिँह, चुनाव शाखा प्रभारी भागचंद किरोडीवाल, मास्टर ट्रेनर ओम प्रकाश, सुनील कुमार, मनोज स्वामी, मदनलाल स्वामी सहित ब्लॉक के अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अवैध ब्रेकरों के विरोध में ज्ञापन दिया

तारानगर (निसं)। तारानगर से चूरू सड़क पर अवैध रूप से बनाये गए ब्रेकरों के विरोध में युवादल के सदस्यों ने उपखंड कार्यालय में ज्ञापन दिया। युवादलके सरंक्षक मुकेश फगेड़िया ने बताया कि तारानगर से चूरू रोड पर ब्रेकर जो आवश्यकता से ज्यादा है उनको कम किया जाए हाइवे रोड पर इतने ब्रेकर लगाना जो नियमों के विरुद्ध है अगर तारानगर से कोई दुर्घटना या डिलीवरी केस हम चूरू ले जाते है तो इन ब्रेकर के कारण हम उचित समय पर नहीं पहुंच पाते है हाइवे रोड़ पर अगर कोई अस्पताल या स्कूल है तो ही ब्रेकर लगा सकते है जबकि इस रोड पर टूल टैक्स भी लगता है फगेडिया ने बताया कि उपखण्ड प्रशासन से आश्वाशन मिला है कि हम इसकी जांच करेंगे और इस मैटर को जिला कलेक्टर को भी अवगत कराएंगे।

ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम कल

सीकर (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने बताया कि राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के पिछड़ेपन की प्रकृति एवं निहितार्थों की जांच के लिए पिछड़े वर्ग से संबंधित जातियों के परिवारों का गहन एवं व्यापक सर्वे करवाये जाने के संबंध में प्रारम्भिक तैयारियों के संबंध में निर्देश जारी किये गये है। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर 2025 को दोपहर 2 बजे से सायं 4 बजे तक ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला स्तरीय एवं उपखण्ड स्तरीय नोडल अधिकारियों, सहायक नोडल अधिकारियों एवं सन्दर्भ अधिकारी,कर्मचारी द्वारा भाग लिया जायेगा।

रक्तदान शिविर का आयोजन

सीकर (निसं)। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा सीएचसी, गोविंदगढ़ , चौमू में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। शिविर में स्टाफ सदस्यों व ग्राहकों द्वारा बढ़-चढ़कर सहभागिता की गई तथा उनके द्वारा 38 यूनिट रक्त दान किया गया। इस अवसर पर मंडल कार्यालय से उप मंडल प्रमुख विमल कुमार शर्मा, मनीष गुप्ता, शाखा प्रमुख विद्याधर भूपेश, राकेश यादव एवं अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर अनेक कार्यक्रम होंगे, पोस्टर का विमोचन किया

चूरू (निसं)। सूचना केंद्र में मेरा युवा भारत की ओर से लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर बुधवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती पर 6 अक्टूबर 2025 को मंत्रालय ने सरदार 150 यूनिटी मार्च की शुरुआत की।

शर्मा ने बताया कि नवंबर 2025 के द्वितीय सप्ताह में एकता मार्च का आयोजन किया जाएगा। ये मार्च इंद्रमणि पार्क से प्रारंभ होकर गढ चौराहा, सुभाष चौक होते हुए बागला खेल मैदान जायेगा। यह भारत सरकार और माय भारत की पहल है, जो लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित है। इस राष्ट्र व्यापी कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को जागृत करना है।

सरदार पटेल ने जिस तरह बिखरे हुए भारत को एक भारत बनाया, उसी भावना को यह पदयात्रा आगे बढ़ाएगी। इस अभियान के जरिए युवाओं को एक भारत और आत्मनिर्भर भारत के आदर्श अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस दौरान जिला युवा अधिकारी मधु यादव ने कहा कि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के स्टेट कैबिनेट मंत्री, सांसद, स्थानीय प्रशासन, माय भारत, एन.एस.एस, एन.सी.सी. व अन्य सभी युवा संस्थाओं के सहयोग से विकसित भारत पदयात्राएं आयोजित की जा रही हैं।

इस पहल का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय गौरव जगाना, समाज के प्रति जिम्मेदारी बढ़ाना और एकता की भावना को मजबूत करना है। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के जन भागीदारी से राष्ट्र निर्माण के विजन से प्रेरित है। इसमें युवा से लेकर वरिष्ठ नागरिक तक, सभी मिलकर देश के इतिहास को याद करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभायेंगे। अभियान संयोजक सुशील लाटा ने बताया कि डिजिटल चरण की शुरुआत 6 अक्टूबर को केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने प्रेस कांफ्रेंस कर, सम्पूर्ण राष्ट्र में इस अभियान का डिजिटल शुभारंभ किया। 18 अक्टूबर 2025 को राज्य स्तर की प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से राजस्थान में इस महत्तवपूर्ण अभियान का शुभारम्भ किया जा चुका है। 10 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 तक निबंध प्रतियोगिता हो रही है, जिसमें 15 से 29 वर्ष के युवा माय भारत पोर्टल के माध्यम से भाग लेंगे। इसका विषय राष्ट्रीय एकता, नागरिक जिम्मेदारी और सरदार पटेल से संबंधित होंगे। राष्ट्रीय विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रीय रील प्रतियोगिता में 10 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 के दौरान 15 से 29 वर्ष के युवा माय भारत पोर्टल के माध्यम से भाग लेंगे। युवाओं को 20-30 सेकंड के देशभक्ति वीडियो पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। रचनात्मक संदेश एकता, सेवा और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर होने चाहिए। शीर्ष 10 विजेताओं को राष्ट्रीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

ऑनलाइन क्विज एकल, नागरिक कर्तव्यों और राष्ट्रीय विषयों पर आधारित होंगी। इसमें रियल टाइम लीडरबोर्ड, प्रमाण पत्र और डैशबोर्ड इनसाइट्स की सुविधा होगी। इसकी जानकारी प्रतिभागी माय भारत पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। अभियान सहसंयोजक सूर्य प्रकाश ढाका ने कहा कि यह श्रृंखला माय भारत पोर्टल के माध्यम से जारी की जाएगी।

देशभक्ति और जागरूकता जगाने के लिए पदयात्रा के दौरान सार्वजनिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन सभी कार्यक्रमों के दौरान माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कियोस्क या क्यूआर कोड के माध्यम से युवाओं का पंजीकरण माय भारत पोर्टल पर किया जायेगा। साथ ही सोशल मीडिया इन्फ्लुएन्सर्स एवं यूथ आइकॉन्स युवाओं को इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने हेतु प्रेरित किया जायेगा।

जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा ने बताया कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के स्टेट कैबिनेट मंत्री, सांसद व सभी युवा संस्थाओं के सहयोग से आयोजित इन यात्राओं का नेतृत्व करेंगे। 150 किमी की राष्ट्रीय पदयात्रा नवंबर के प्रथम सप्ताह में निकाली जाएगी। पदयात्रा के रास्ते के सभी गाँवों में सामाजिक विकास के कार्यक्रम होंगे। यात्रा के जीवन पर विकसित भारत की प्रदर्शनी और भारत की विविध संस्कृति का उत्सव मनाया जाएगा। हर शाम सरदार गाथा होगी, जिसमें पटेल के जीवन और योगदान की कहानियाँ सुनाई जाएगी। माय भारत कार्यालय के नेमीचंद जांगिड़ ने पदयात्रा के चरण सम्बन्धी जानकारी दी। जिला स्तरीय पदयात्राएं 31 से 25 नवंबर 2025 तक संसदीय क्षेत्रों में 8-10 किमी लंबी पदयात्रा होगी। इस दौरान यात्रा के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। पदयात्रा से पहले स्थानीय लोगों में माहौल बनाने के लिए स्कूल, कॉलेजों में अलग-अलग प्री ईवेंट गतिविधियां, जैसे निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, सरदार पटेल के जीवन पर संगोष्ठी नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान योग एवं हेल्थ शिविरों के साथ क्षेत्र में स्वच्छता अभियान का भी आयोजन होगा। पदयात्रा के दौरान सरदार पटेल की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि, आत्मनिर्भर भारत शपथ, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रमाणपत्र वितरण होगा। प्रेस वार्ता के अंत में नीरज जांगिड ने सभी का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया। इस मौके पर रवि प्रकाश, राजीव शर्मा, शंकर लाल, कमल कुमार, हितेश सोनी, पुनीत कुमार, अजय कुमार सहित पत्रकार बंधु उपस्थित थे।

संस्था प्रधान निलंबित, पोषण प्रभारी को चार्जशीट

रतनगढ (निसं)। निकटवर्ती राजलदेसर और सांगासर क्षेत्र में शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने मंगलवार को आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालयों में मौखिक प्रवाह पठन (ओआरएफ) गतिविधियों का सूक्ष्म निरीक्षण किया और सुधार हेतु निर्देश दिए। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजलदेसर में संस्था प्रधान अन्नू खेडीवाल द्वारा विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन कराया गया। सुप्रीम फाउंडेशन जसवन्तगढ़ द्वारा शिक्षा क्षेत्र में स्वंयसेवी शिक्षकों की उपलब्धता पर निदेशक ने प्रसन्नता जताई और संस्था के चीफ को-ऑर्डिनेटर श्याम बाबू शर्मा के परोपकारी कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इन सत्कार्यों को आगे बढ़ाने का आव्हान करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में जनसहयोग से ही गुणात्मक सुधार संभव है। इसके बाद सांगासर में भी विद्यालय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पोषण आहार वितरण में अनियमितताएं मिलने पर पोषण प्रभारी को नियम 17 के तहत चार्जशीट जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं संस्था प्रधान को पर्यवेक्षणीय लापरवाही एवं विद्यालय कार्यों में गंभीर लापरवाही बरतने पर निलंबित करने के निर्देश जारी किए गए। इस निरीक्षण में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद सिंह राठौड और मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार व्यास भी उपस्थित रहे।

'प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत बन रहा आत्मनिर्भर'

सीकर, (निसं)। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत विधानसभा सीकर का सम्मेलन बुधवार को बजाज रोड स्थित जैन भवन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया। सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी ने की। सम्मेलन में आत्मनिर्भर भारत अभियान के जिला संयोजक अनिल धींवा, पिपराली प्रधान बनारसी देवी, जिला उपाध्यक्ष रमेश जलधारी, नेमीचंद कुमावत, जितेंद्र सिंह कारंगा, जिला महामंत्री राजेश रोलन, मंत्री प्रभुसिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष अनीता शर्मा, मंडल अध्यक्ष इंद्रचंद शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, जयप्रकाश सैनी, श्रवण मूंड, गुलाब धींवा, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सुरेश सैनी आदि मंचस्थ रहे।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार ऐसी नीतियाँ और योजनाएं लागू कर रही है, जिनका उद्देश्य देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि भारत आज आर्थिक, तकनीकी, रक्षा और औद्योगिक क्षेत्रों में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और इस अभियान का मुख्य आधार है स्वदेशी और राष्ट्रप्रथम की भावना।

पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं बल्कि एक बड़ा राष्ट्रीय आंदोलन है, जिसका उद्देश्य देश के आर्थिक और सामाजिक सामथ्र्य को जागृत करना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान की मूल भावना भारत की जड़ों, कौशल और स्थानीय उत्पादन को मजबूत करना है।

भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार यह स्पष्ट कर चुके हैं कि आने वाला समय भारत का समय है। कहा कि भारत अपनी शक्ति, परिश्रम और स्वदेशी उत्पादों के बल पर विश्व मंच पर और अधिक सशक्त होकर उभर रहा है।

उन्होंने स्थानीय उद्यमों को बढावा देने और युवा उद्यिमता को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को जन-जन तक पहुँचाने एवं स्वदेशी उत्पादों को बढावा देने का संकल्प लिया।

'विद्यार्थिंयों के साथ-साथ अध्यापकों को भी पुस्तकें पढ़नी चाहिये ताकि वे शिक्षण को और अधिक रूचिकर बना सके'

चूरू (निसं)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट में पुस्तकालय में उपलब्ध साहित्य पर संवाद आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन बुधवार को प्राचार्य गोविन्द सिंह राठौड की अध्यक्षता में हुआ। इस दौरान प्राचार्य राठौड ने कहा कि पुस्तकालय में नये-नये नवाचार किए जाए।

विद्यार्थिंयो के साथ-साथ अध्यापकों को भी पुस्तक पढने में समय निकालना चाहिए, जिससे अध्यापन को और अधिक रोचक बनाया जा सकता है। राठौड ने महान पुरुष विवेकानंद की जीवनी की संक्षिप्त जानकारी दी। डब्ल्यू ई प्रभागाध्यक्ष उमा सारस्वत ने बताया कि पुस्तकों से हमारी बौद्धिक और मानसिक क्षमता बढ़ती है और अतीत का अध्ययन करने में मदद करती हैं। विद्यालय में बाल साहित्य चित्र पुस्तकों से बालकों के पठन में रुचि जागृत की जा सकती है। संदर्भ व्यक्ति अमरसिंह ने बताया कि पुस्तकालय को जीवंत बनाए रखने के लिए बच्चों की पुस्तकों व साहित्य के प्रति रुचि बढानी है।

टाटा ट्रस्ट के विद्वान साथी महेंद्र ने बताया कि पुस्तकालय को रुचिदायक बनाने के लिए बच्चों को कहानी,

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट में पुस्तकालय में उपलब्ध साहित्य पर संवाद आधारित प्रशिक्षण का समापन हुआ।

कविता सुनानी चाहिये। संभागी सुरेश बुंदेला ने सफलता का रहस्य व लघु कथा के माध्यम से प्रशिक्षण को सारगर्भित बनाया। डॉ. श्याम सुंदर कौशिक ने पुस्तकें हमे क्या बताती है, इसकी जानकारी दी और पाश्चात्य संस्कृति को छोड़ अपनी मूल संस्कृति को अपनाने पर बल दिया। मुकेश शर्मा ने प्रखर कार्यकम में पुस्तकालय बहुत मददगार है, इस पर विस्तृत चर्चा की।

संभागी तारा लक्ष्मी शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। प्रशिक्षण में आईएफएससी प्रभाग अध्यक्ष डॉ. विजयलक्ष्मी शेखावत ने शोध कार्यों के अध्ययन के बारे में बताया। सीएमडीई प्रभाग अध्यक्ष कुसुम शेखावत ने बताया कि विद्यालयों में ज्यादा से ज्यादा गतिविधि आधारित शिक्षण करवाया जाए। प्रशिक्षण में ओम कस्वां, सुभाष, प्रमोद दाधीच, लाजवंती सहित जिले के 40 संभागियों ने भाग लिया।

'आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार कर रही है'

राजलदेसर (निसं)। कस्बे की श्री राजलदेसर गौशाला 77 वां गोपाष्टमी महोत्सव बडे धूमधाम से मनाने जा रही है। वर्तमान में गौशाला में विभिन्न योजनाएं संचालित है साथ ही आत्मनिर्भर भारत का जो सपना है उस सपने को श्री राजलदेसर गौशाला साकार कर रही है जिसमें गौशाला को स्वावलंबन बनाने के लिए अनेकों योजनाएं गौशाला में संचालित है जिसमें गोबर गैस प्लांट, पंचगव्य उत्पाद, गो कास्ट, नेपियर घास, गोबर से दीपक, लक्ष्मी जी, गणेश जी महाराज की प्रतिमा, गोमूत्र, फिनाइल, धूपबत्ती आदि उत्पाद बनाए जा रहे हैं।

इसके अलावा वर्षा ऋतु में बरसाती पानी का संग्रहण कैसे हो इसके लिए दानदाता के सहयोग से 15 कुण्ड का निर्माण कराया गया है जिसमें लाखों लीटर बरसाती पानी संग्रहण होता है एवं गौ माता को शुद्ध पानी पिलाया जाता है साथ ही अगली बारिश से पूर्व अन्य कुंड का भी निर्माण कराया जाएगा एवं गौशाला के खेत में गौ माता को प्रतिवर्ष हरा चारा कैसे मिले इसके लिए तीन बडी डिग्गी बरसाती पानी संग्रहण हेतु बनाई गई है।

जिसमें लाखों लीटर पानी इकट्ठा होता है एवं नेपियर घास पेड पौधों में सिंचाई की जाती है। नेपियर घास वर्तमान में करीबन 12 फुट लंबी है जो कि साल के अंदर तीन बार कटाई की जाती है जो गौ माता को हरा चारा उपलब्ध कराया जाता है।

हरा चारा खाने से गौ माता तंदुरुस्त रहती है एवं दानदाता के सहयोग से 11000 पेड़ पौधे विभिन्न किस्म के लगाए गए हैं जो आज बड़े-बड़े हो चुके हैं एवं गौशाला में घायल गोवंश के लिए ट्रॉमा सेंटर भी बना हुआ है जिसमें चिकित्सकों द्वारा गौ माता की प्रतिदिन सेवा की जा रही है एवं दानदाता के सहयोग से गौ आवास गृह का भी निर्माण करवाया गया है

जो की चूरू जिले के अंदर सबसे बड़ा गौ आवास गृह है एवं गौ माता को प्रतिदिन पौष्टिक आहार के रूप में लावसी व दलिया का भोग प्रतिदिन लगाया जाता है साथ ही गोसंवर्धन के लिए भी गौशाला कार्य कर रही है एवं गौशाला में सभी गौ माता के लिए अलग-अलग बाड़े भी बनाए गए हैं जिसमें अलग-अलग नस्ल की गौ माता निवास करती है एवं गर्मी एवं सर्दी के मौसम को देखते हुए गौमाता के बचाव के लिए अलग-अलग सुविधा लगातार होती रहती हैं इसके अलावा गो सेवार्थ महिला कार्य समिति द्वारा हर अमावस्या पर गौशाला में कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है।

भागवत कथा में 56 भोग की झांकी सजाई

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के चूणा चौक स्थित आशीर्वाद पैलेस में छठे दिन बुधवार को श्रीमदभागवत कथा में व्यास पीठ से कथावाचक संतश्री हरिशरण जी महाराज ने कथा में गोवर्धन लीला में, श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र की पूजा छोडकर गोवर्धन पर्वत की पूजा करने का निर्देश दिया।

महाराज जी ने कहा कि बृजवासी इंद्र की पूजा करते थे। लेकिन श्रीकृष्ण ने उन्हें समझाया कि वर्षा और प्राकृतिक घटनाओं के लिए गोवर्धन पर्वत ही पूजनीय है। क्योंकि वह गोधन को पालता है और भगवान विष्णु का स्वरूप है। इस पर जब इंद्र ने क्रोध में भयानक वर्षा की, तो श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठा लिया और बृजवासियों को इंद्र के क्रोध से बचाया और बृजवासियों ने पर्वत के नीचे पनाह ली और इंद्र का अहंकार टूटा। बाद में, गोपियां और बृजवासियों ने श्रीकृष्ण के प्रति अपनी गहरी भक्ति और प्रेम व्यक्त किया। उद्धव-गोपी संवाद में संतश्री ने बताया कि उद्धव गोपियों को ज्ञान और निर्गुण ब्रह्म का उपदेश देते हैं। रास लीला भगवान कृष्ण और गोपियों के बीच प्रेम और दिव्य आनंद की अद्भुत और रहस्यमयी लीला है। यह भगवान कृष्ण और गोपियों के बीच प्रेम और आनंद की दिव्य लीला है, जो रात में वृंदावन में होती है। भगवान कृष्ण गोपियों के साथ नृत्य करते हैं। प्रत्येक गोपी को यह अनुभव होता है कि कृष्ण उसके साथ ही नृत्य कर रहे हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरि. मंडल बिजली इंजीनियर / टीआरडी, उ. प. रेलवे बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता:** http://www.ireps.gov.in, **2. ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय:** 20.11.2025 को 15:00 बजे तक, **3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय:** 20.11.2025 को 15.00 बजे के बाद, **Tender Notice No.:** 21-TRD-BKN-ETENDER-25-26R, **Name of work:** Rehabilitation of TRD accessories like bonds, various boards, OHE data steniciling etc. by replacement and painting, automation of lighting at PSI installations & improvement in reliability of 25 kv OHE system over Bikaner Div., **Approx Cost of the work:** 18500633.58, **EMD/SD (Rupees):** 242500.00

1380-PS/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

जी.एम. अमिताभ ने रतनगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

रतनगढ़ (निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जनरल मैनेजर अमिताभ रतनगढ के दौरे पर रहे। जीएम अलसुबह स्पेशल ट्रेन से रतनगढ पहुंचे तथा करीब डेढ़ घंटे तक स्टेशन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के बारे में जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने दिव्यांग जन सुविधाएं, सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, स्टेशन कक्ष, बुकिंग काउंटर

- अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हुए विकास कार्यों का निरीक्षण किया
- व्यवस्थाओं के सुधार को लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए

उत्तर पश्चिम रेलवे के जनरल मैनेजर अमिताभ ने रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के बारे में जायजा लिया।

आदि का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने डबल ट्रेक, चूरू व रतनगढ के बीच स्टेशन एवं उनके अंडर पास, रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित सुविधाओं, प्रवेश द्वार, पार्किंग, फूड कोड, कैंटीन, वाटर कूलर जैसी कई सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण कर अधिकारियों को सुधार के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जीएम ने अमृत भारत योजना के अंतर्गत रतनगढ रेलवे स्टेशन के हो रहे नवनिर्माण कार्य में देरी पर भी नाराजगी जताई तथा मार्च 2026 तक इसे पूरा करने के निर्देश दिए। रतनगढ़ एवं सरदारशहर के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों एव पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां ने भी जीएम से मुलाकात की तथा इन्होंने रेल विस्तार के लिए जीएम को ज्ञापन सौंपे। रिणवां द्वारा सरदारशहर क्षेत्र के लोगों द्वारा खून से लिखे ज्ञापन भी जीएम को सुपुर्द कर सरदारशहर में रेल विस्तार की मांग की।

पत्रकारों से हुई वार्ता में जीएम ने कहा कि रतनगढ एक महत्वपूर्ण पूर्ण रेलवे स्टेशन है तथा आगामी समय में यहां ट्रेनों का काफी संचालन होगा।आपको बता दें कि अमृत भारत योजना के तहत करीब करीब 18 करोड की लागत से रतनगढ़ स्टेशन का पुनर्विकास कार्य हो रहा है। जिसमें स्टेशन का पुनर्विकास कार्य 96 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

रेलवे स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज का 77 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।इस अवसर पर बीकानेर मंडल रेल प्रबंधक गौरव गोविल, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक भूपेश यादव, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी शैलेष चौधरी, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर विद्युत सामान्य आदित्य लेघा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर संकेत एवं दूरसंचार रणसिंह गोदारा, मंडल सुरक्षा आयुक्त संजय पिसे, मंडल वाणिज्य प्रबंधक वीरेंद्र जोशी सहित रेलवे के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगरपालिका मंडल, राजगढ़ (चूरू)

क्रमांक :- न.पा.रा./2025-26/5508 दिनांक 29.10.2025

प्रारूप- 10 (नियम-6(7)देखिए)

लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

क्र. सं	आपत्ति सूचना पत्रावली 90 क आवेदक का नाम	पत्रावली सं.	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल	प्रयोजन
1	अयुब खान पुत्र श्री ताजु खान,निवासी हरपालू रामपुरा, हाल- वार्ड नं. 22, श्मशान भूमि के पीछे राजगढ़ (चूरू)	298 /20.08.2025	कस्बा राजगढ़	1413	0.47 हैक्टेयर	आवासीय

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिवस के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाएगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जाएगा।

(सीताराम मीणा) अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका, राजगढ़ (चूरू)

(नियम 6(7) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका नीमकाथाना

क्रमांक :- 39 दिनांक 29.10.2025

लोक सूचना

श्री कमल कुमार पुत्र श्री दीपचंद, श्री रवि कुमार पुत्र श्री दीपचंद निवासीगण जैन स्थानाक ब्लॉक तीर्थंकर नगर, जैन नगर गांव कराला, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री किशनलाल निवासी मकान नं. 1575 जवाहर नगर हिसार, हरियाणा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का कृषि से गैर-कृषिक प्रयोजना के आवासीय उपयोग हेतु भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थातः-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
जिला सीकर तहसील नीमकाथाना	राजस्व ग्राम खुड़ालिया पटवार हल्का सिरोही	3112/3563 3111/3063	1.5240 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाएगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 29.10.2025को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका नीमकाथाना

हार्डवेयर की दुकान में भीषण आग के बाद ब्लास्ट होने से दुकानदार की मौत

ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि दुकान का शटर करीब 60 फीट दूर जाकर गिर गया

खेतड़ी, (निसं)। निजामपुर मोड़ पर आधी रात को एक दुकान में पहले आग लगी और इसके बाद जोरदार ब्लास्ट हुआ। इस ब्लास्ट में दुकानदार की मौत हो गई। साथ ही दुकान भी पूरी धराशाही हो गई। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि दुकान का शटर करीब 60 फीट दूर जाकर गिरा। वहीं इसी दुकान के साथ लगती दो और सड़क की दूसरी तरफ स्थित एक अन्य दुकान भी क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे लाखों का नुकसान हो गया। पुलिस ब्लास्ट के कारणों की पड़ताल में लगी हुई है। एफएसएल की टीम ने भी मौके से साक्ष्य उठाए है। प्रारंभिक रूप से माना जा रहा है कि इस हार्डवेयर की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लगी है और इसके बाद दुकान में रखे पेंट व थिनर इत्यादि सामान ने आग पकड़ी और एक साथ आग पकड़ने के बाद ब्लास्ट हो गया।

जानकारी के मुताबिक संजय नगर पंचायत के आसलावाली ढाणी के रहने वाले 28 वर्षीय शंकर सैनी ने खेतड़ी कस्बे के निजामपुर मोड़ पर हार्डवेयर की दुकान कर रखी है। रोजाना की तरह शंकर सैनी बीती रात को करीब पौने दस बजे दुकान को मंगल (बंद) करके पास में ही गोदाम में सोने के लिये चला गया। घटना का एक सीसीटीवी भी सामने आया है, जिसमें रात को करीब दो बजे दुकान में धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके बाद दुकान मालिक शंकर सैनी खुद दुकान को संभालने आया, लेकिन एक बार दुकान संभालकर वापिस चला गया। इसके बाद दुबारा जब वह दुकान के बाहर शटर के पास खड़ा था। तो इसी दौरान ब्लास्ट हुआ। जिससे शंकर सैनी भी 20 फीट दूर सड़क पर जा गिरा और शटर 60 फीट दूर जाकर गिरा। सड़क के दूसरी तरफ एक अन्य दुकान भी इस ब्लास्ट में क्षतिग्रस्त हो गई। इस हार्डवेयर की दुकान के साथ लगती एक दुकान में भी लाखों का नुकसान हुआ है। साथ ही एक ई-मित्र की दुकान भी टूट गई और कंप्यूटर आदि सामान जल गया। शंकर की खुद की दुकान पूरी की पूरी ध्वस्त हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शंकर सैनी को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा गया। वहीं आग के साथ-साथ ब्लास्ट के कारणों को जानने के लिए एफएसएल की विशेषज्ञ टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए।

सीआई कैलाशचंद ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रात को दो बजे दुकान के बाहर एक युवक दिखाई दे रहा है, जो अंधेरा होने के कारण साफ नहीं दिख रहा। हादसे की स्थिति को देखकर यही संभावना है कि वह युवक मृतक शंकर सैनी ही था, लेकिन दुकान में सिलेंडर जैसी कोई चीज नहीं थी। जिसके फटने से यह हादसा हुआ है। शेष जांच जारी है। घटना की सूचना मिलने पर तहसीलदार सुनील मील भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने जायजा लेकर उचित कार्रवाई की बात कही है।

खेतड़ी के निजामपुर मोड़ पर दुकान में आग लगने के ब्लास्ट हो गया। हादसे के बाद पुलिस ब्लास्ट के कारणों की पड़ताल के लिये पहुंची। वहीं एफएसएल की टीम ने भी मौके से साक्ष्य उठाए।

मृतक दुकानदार (फाइल फोटो)

- इसी दुकान के साथ लगती दो और सड़क की दूसरी तरफ स्थित एक अन्य दुकान भी क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे लाखों का नुकसान हो गया
- प्रारंभिक रूप से माना जा रहा है कि इस हार्डवेयर की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लगी है और इसके बाद दुकान में रखे पेंट व थिनर आदि सामान ने आग पकड़ ली

बजरी से भरे ट्रेलर की टक्कर से महिला की मौत

हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों से समझाइश की।

निवाई, (निसं)। गांव गोविंदपुरा मौजा की थूणी की एक महिला की ट्रेलर की टक्कर से मौत हो गई, जिससे गांव में कोहराम मच गया और शोक की लहर दौड़ गई। दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक मृत्युंजय मिश्रा व थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा मय जाब्ते के साथ घटनास्थल स्थल पर पहुंचे। दुर्घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे सड़क मार्ग पर जाम लग गया।

थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि देव उठनी एकादशी पर देवराज की भतीजी की शादी है। जिसको लेकर देवराज अपनी पत्नी अनिता गुर्जर (30) व अपनी भाभी के साथ शादी का कार्ड देने के लिए अपने रिश्तेदारों के घर निवाई बाईपास पर आया था। उसने बाइक को खड़ी कर दी और सड़क के दूसरी ओर रिश्तेदार के यहां कार्ड देकर तीनों वापस सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान टोंक की ओर से तेज गति से आ रहे बजरी से भरे ट्रेलर ने अनिता के टक्कर मार दी। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हाईवे एंबुलेंस की मदद से उप जिला अस्पताल में मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने ट्रेलर को कब्जे में लेकर पुलिस थाने में खड़ा करवा दिया है।

कुंड में डूबने से युवक की मौत : निवाई में कुंड में नहाने के दौरान डूबने से एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा मय जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकलवाया। थानाधिकारी रामजीलाल ने बताया कि मुकेश (30) पुत्र बजरंग लाल निवासी जमात हेयरकट करवाकर बाहरला कुंड में नहाने गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह कुंड के पानी में डूब गया। उसको तैरना नहीं आता था। इसी दौरान एक अन्य व्यक्ति नहाने के लिए कुंड पर पहुंचा तो उसने एक युवक के शव को कुंड में तैरता हुआ देखा। उसने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव कुंड से बाहर निकालकर उप जिला अस्पताल में लेकर गई, जहां पुलिस ने पंचनामा तैयार करके शव का पोस्टमार्टम करवाया

युवक ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थानान्तर्गत शहर की न्यू कॉलोनी में एक युवक ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाने के एएसआई ने बताया कि डूंगरपुर शहर की न्यू कॉलोनी निवासी राकेश डेंबला ने रिपोर्ट में बताया कि पड़ोसी ने बुधवार सुबह उसे बताया कि उसके घर की खिड़की खुली हुई है और उसका भाई चंद्रेश डेंबला फांसी के फंदे पर लटका हुआ दिखाई दे रहा है, जिस पर परिजन कमरे में पहुंचे तो देखा कि कमरे के पंखे के कुंदे पर चुन्नी से चंद्रेश का शव लटका हुआ है। परिजनों ने उसे फंदे से नीचे उतारकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने मामले की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, खण्ड अजमेर

राजकाज क्र. :- 18480081 दिनांक :- 27/10/2025

बिड आमंत्रण सूचना संख्या 08/2025-26

कृ.उ.म.स. अजमेर (फल व सब्जी) में विभिन्न निर्माण कार्य पैकेज (एम.डी.एफ), उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय के मरम्मत कार्य/पैकेज कार्य किशनगढ–अजमेर, सरवाड़, डीडवाना–जायल एवं मेडता सिटी लागत राशि क्रमशः रू. 559.08, 93.52, 16.37, 18.81 एवं 12.12 लाख की ऑन–लाईन बिड् ई– प्रोक्यूरमेन्ट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से दिनांक 10.11.2025 / 19.11.2025 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट http://agriculture.rajasthan.gov.in/rsamb एवं sppp.raj.nic.in (UBN No. AGM2526WLOB00668 To 672) पर भी दिनांक 31.10.2025 से देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/12834 अधिशाषी अभियंता

राजस्थान सरकार

कार्यालय-राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय करौली

मण्डरायल रोड, करौली, राजस्थान (322241)

Email ID- gmckarauli@gmail.com Telephone No. 07464-294340

क्रमांक-जी.एम.सी./ई-निविदा/करौली/2025/1395 दिनांक-17.10.2025

NIB No. 03/2025-26)

Sealed Single Stage Two envelopes and unconditional online Bids for Rate contract for One year to provide "Skilled And Highly skilled manpower for Government Medical College, Karauli are invited from interested bidders upto 06.11.2025 at 04.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 240 lakh.

UBN NO. MES2526A0116

DIPR/C/15727/2025 प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, करौली

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION BEAWAR

NIB NO. PWD2526A3938-PWD2526A3945

Notice Inviting Bid No. 15/2025-26

Bids for 08 No. of Works are invited from interested bidders upto 11.00 PM 10 November 2025. Other particular of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the State, and DIPR departmental website. The approximate value of the procurement is Rs.429.65 Lacs.

S No.	NIB NO	UBIN NO	Amount (Lac)
1	PWD2526A3938	PWD2526WSOB15142	11256000
2	PWD2526A3939	PWD2526WSOB15143	19050000
3	PWD2526A3940	PWD2526WSOB15144	9345000
4	PWD2526A3941	PWD2526WSOB15157	755000
5	PWD2526A3942	PWD2526WSOB15173	969000
6	PWD2526A3943	PWD2526WSOB15174	570000
7	PWD2526A3944	PWD2526WSOB15175	202000
8	PWD2526A3945	PWD2526WSOB15182	848000

DIPR/C/15774/2025 (Khemaram) Executive Engineer, PWD, Division Beawar

अपराधियों को फॉलो करने वाले आठ बदमाश गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। सीकर पुलिस ने विशेष धरपकड़ अभियान चलाकर आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि पुलिस की 4 स्पेशल टीमों ने दो दिन तक लगातार कार्रवाई की। कार्रवाई में पुलिस ने अपराधियों और आपराधिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को फॉलो करने वाले आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सीकर पुलिस की गिरफ्त में आए 8 में से 7 अपराधियों पर विभिन्न पुलिस थानों में 32 मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि पुलिस के सघन धरपकड़ अभियान के दौरान करीब 14 जगह पर दबिश देकर अनेक लोगों से कड़ी पूछताछ करते हुए आठ अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से सात आदतन अपराधी हैं। इनके खिलाफ मारपीट, आर्म्स एक्ट, कॉपीराइट का उल्लंघन करने, लूटपाट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए डीएसपी लाल सिंह के नेतृत्व में चार थानेदारों कोतवाली सीआई सुनील कुमार जांगिड़, दादिया थानाधिकारी बुद्धि प्रसाद, उद्योगनगर सीआई मनोज कुमार भाटीवाड़ और गोकुलपुरा सीआई प्रीति बेनीवाल की टीमें गठित की। आरोपियों में अजीतपुरा (सीकर) निवासी सुमित कुमार, अजीतपुरा सीकर निवासी प्रशांत धींवा, तारपुरा सीकर निवासी विकास काजला, लक्ष्मण का बास, दौलतपुरा सीकर निवासी सुखवीर लांबा, श्योराण का बास, नरोदड़ा सीकर निवासी अनिल श्योराण, मंडीवालों की ढाणी, गोठड़ा भुकरान सीकर निवासी जितेंद्र कुमार और बेरी सीकर निवासी निखिल कुमार को गिरफ्तार शामिल हैं।

सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन में जैतारण थानाधिकारी मय टीम द्वारा नाबालिग को बहला-फुसलाकर गैंगरेप करने के दो आरोपियों को 72 घण्टे में गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने बताया कि 26 अक्टूबर को परिवादी ने पुलिस थाना जैतारण पर उपस्थित होकर एक रिपोर्ट पेश की कि मेरी 15 वर्षीय दोहिती को 3-4 युवक बहलाकर ले गए और उसके साथ बलात्कार किया। जिस पर प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश प्रारम्भ की गई। नाबालिग के साथ हुए गैंगरेप की घटना को गंभीरता से लेते हुए वृत्त स्तर पर एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया जाकर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। टीम द्वारा संभावित स्थानों पर दबिशे दी जाकर घटना में शामिल दो आरोपियों को डिटेन किया जाकर पूछताछ करने पर राजूराम सीरवी पुत्र भीयाराम एवं दिनेश पुत्र प्रभुराम जाट ने उक्त कुकृत्य करना स्वीकार किया, जिस पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्राइवेट डीएलएड कॉलेज की जांच करने पहुंचे शिक्षा निदेशक जाट

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक और प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने बीकानेर के घड़सीसर गांव में स्थित प्राइवेट राजस्थान टीटी कॉलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान कई तरह की अनियमितता सामने आई है, जिसकी जांच करवाई जाएगी। निदेशक ने शहर के आसपास स्थित कुछ स्कूलों का भी निरीक्षण किया, जहां व्यवस्थाएं सही मिली। जानकारी के अनुसार राजस्थान टीटी कॉलेज, घडसीसर में डीएलएड विद्यार्थियों के रिकार्ड की जांच की गई, जिसमें गंभीर अनियमितताएं पाई गई।

- जांच के दौरान कई तरह की अनियमितता सामने आई है, जिसकी जांच करवाई

निदेशक जाट ने बताया कि जिन लेक्चरर का नाम रजिस्टर में बताया गया, वो मौके पर नहीं थी। उपस्थिति रजिस्टर को लेकर जांच की जा सकती है। इस संबंध में निदेशक ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश किए। निदेशक जाट ने राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल उदयरामसर, राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल घड़सीसर का भी अवलोकन किया। इस दौरान निदेशक ने विद्यालयों में रंग-रोगन का कार्य 31 अक्टूबर तक पूर्ण करने, स्वच्छता एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखने, पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने तथा मेगा पीटीएम की तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में पोषाहार एवं दूध के स्टॉक की जांच की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निदेशक ने द्वितीय परख की उत्तर पुस्तिकाओं की समय पर जांच कर अंक शाला दर्पण पर अपलोड करने एवं नियमित रूप से गृहकार्य जांच करने के लिए निर्देशित किया। अवलोकन के दौरान निदेशक के साथ एडीपीसी बीकानेर कृष्ण कुमार बिश्नोई एवं सहायक निदेशक (माध्यमिक), शिक्षा निदेशालय के जितेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

बुजुर्ग की चाकू मारकर हत्या के मामले में नाबालिग डिटेन

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस ने एक वृद्ध व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या के मामले में एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया है। यह घटना 22 अक्टूबर को डूंगरपुर जिले के भीलवा पंचेला गांव में हुई थी। पुलिस ने गहन जांच के बाद इस मामले का खुलासा किया।

चौरासी थाना पुलिस के अनुसार भीलवा पंचेला निवासी गोविंद भणात मीणा ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया कि 22 अक्टूबर की शाम लगभग 7.30 बजे वह अपने दादा जीवा भणात के साथ घर जा रहे थे। विजयपाल भणात के घर के पास सड़क पर गोविंद मोटरसाइकिल पर बैठे थे और उनके दादा जीवाजी भी बैठने वाले थे। तभी भीलवा पंचेला की ओर से एक मोटरसाइकिल पर एक बालक अपने दो अन्य साथियों के साथ आया। मोटरसाइकिल से उतरकर उस बालक ने अपने हाथ में मौजूद धारदार चाकू से जीवाजी के पेट में वार कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद वह अपने साथियों के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर मौके से फरार हो गया। परिजन जीवाजी को इलाज के लिए डूंगरपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी रमेश कटारा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल पर फॉरेंसिव़ यूनिट और एमओबी मोबाइल ऑफिस ब्यूरो, टीम से गहन जांच करवाई। जांच के दौरान, पुलिस ने विधि से संघर्षरत बालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में बालक ने बताया कि 22 अक्टूबर की शाम लगभग 7.30 बजे वह शराब लेने जा रहा था। रास्ते में जीवा भणात और कुछ अन्य लोगों ने उसे छपरी कहकर बुलाया और उसके साथ हाथापाई व गाली-गलौज की। इस बात से गुस्सा होकर उसने अपनी पैंट की जेब से चाकू निकाला और भीड़ पर लहराया। बाद में उसे पता चला कि चाकू जीवा भणात को लगा, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध कर बाल संप्रेषण गृह डूंगरपुर भेज दिया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर

पी.एच.ई.डी कैम्पस इण्डस्ट्रीयल एरिया के.जी. कॉम्पलेक्स के पास, रानी बाजार, बीकानेर (334001)

क्रमांक-6181-90 **Notice Inviting Bid- 103 to 115/2025-26** दिनांक-17.10.2025

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 10.11.2025 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 451.58 Lacs.

NIT	103	104	105	106	107	108	109
UBN	PHE2526 WSOB 01819	PHE2526 WSOB 07821	PHE2526 WSOB 07822	PHE2526 WSOB 07823	PHE2526 WSOB 07824	PHE2526 WSOB 07825	PHE2526 WSOB 07828
NIT	110	111	112	113	114	115	
UBN	PHE2526 WSOB 07829	PHE2526 WSOB 07830	PHE2526 WSOB 07831	PHE2526 WSOB 07832	PHE2526 WSOB 07833	PHE2526 WSOB 07834	

(नरेश कुमार रैंगर) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड.II बीकानेर

DIPR/C/15757/2025

मनोहरपुर बस हादसा : पीलीभीत से काम की तलाश में आए मजदूरों के सपने बिखरे

मनोहरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के टोडी गांव में मंगलवार को हुए स्लीपर कोच बस हादसे ने कई घरों के सपनों को राख कर दिया। उत्तरप्रदेश के पीलीभीत जिले से रोज़ी-रोटी की तलाश में निकले मजदूरों का यह सफर मनोहरपुर पहुंचने से पहले ही मौत की मंज़िल में बदल गया। हादसे में बाप-बेटी की मौत और छह मजदूरों के गंभीर रूप से झुलसने से पूरा इलाका गमगीन है। मंगलवार को जब उनके साथी मजदूरों ने घटना का मंजर याद किया, तो आंखों से आंसू रुक नहीं पाए।

इस दौरान शफीक अहमद ने बताया कि उनका सारा सामान जलकर राख हो गया। घायलों में शामिल मजदूर नफीस अहमद ने बताया कि वे अपने गांव पीलीभीत से 77 मजदूरों के साथ ईंट भट्टे पर काम करने आ रहे थे। हमने सोचा था मेहनत करके कर्ज चुकाएंगे, बच्चों को पढ़ाएंगे, कुछ पैसे जोड़कर गांव में मकान बनाएंगे, लेकिन किस्मत ने कुछ और ही लिख दिया।

हादसे में मारे गए व्यक्ति की पत्नी जेबुन निशा और छोटे बच्चे का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि वह बेटी की शादी के लिए पैसे जुटाने निकला था, पर अब वह सपना अधूरा सा रह गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही बस की छत पर बंधी मोटरसाइकिल 11 हजार केवी हाईटेंशन लाइन से छुई, बस में करंट दौड़ गया। कुछ सेकंड में आग लग गई और तीन सिलेंडर धमाके के साथ फट गए। मजदूरों ने किसी तरह खिड़कियां तोड़कर जान बचाई, लेकिन कुछ लोग बाहर नहीं निकल पाए। हादसे की खबर जब पीलीभीत के गांवों तक पहुंची, तो वहां कोहराम मच गया। परिजन पूरे दिन रोते-बिलखते रहे। कई परिवारों ने कहा कि जिस रोटी की तलाश में गए थे, वही रोटी अब जहर बन गई।

मनोहरपुर थाना क्षेत्र के टोडी गांव में हुये बस हादसे के बाद मजदूर डरे-सहमे हैं।

- स्लीपर बस हादसे में बाप-बेटी की मौत से गांव में मातम पसरा

मिस यूनिवर्स इंडिया मणिका श्रीगंगानगर पहुंची

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले की रहने वाली मिस यूनिवर्स इंडिया-2025 मणिका विश्वकर्मा 21 नवंबर 2025 को थाईलैंड में मिस यूनिवर्स-2025 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। यह प्रतियोगिता थाईलैंड के नोंथाबुरी स्थित इम्पैक्ट चैलेंजर हॉल में होगी। मणिका इन दिनों श्रीगंगानगर स्थित अपने घर आई हुई है। मणिका ने कहा कि मेरा शहर और परिवार ही मेरी ताकत है। मणिका विश्वकर्मा अब 21 नवंबर को मिस यूनिवर्स वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। माणिका इन दिनों अपने घर श्रीगंगानगर में परिवार के साथ समय बिता रही हैं। इसके साथ ही वह विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारी में व्यस्त हैं। मणिका की तैयारी का जुनून ऐसा कि हर पल विश्व विजेता बनने का सपना संजोए हैं। मणिका को लायंस क्लब श्रीगंगानगर ने घर पर पहुंचकर सम्मान दिया। क्लब के पदाधिकारियों ने उन्हें शाल ओढ़ाई, स्मृति चिन्ह भेंट किया।

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-F.32(B)(Model Shop)EX/L/2025-26-26-05066/459 दिनांक-29.10.2025

मॉडल शॉप्स (Model Shops) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4(1)वित्त/आब/2025 दिनांक 29 जनवरी 2025 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 के प्रावधानानुसार वर्ष 2025-26 हेतु संबंधित जिले में बन्दोबस्त स शेष रही मॉडल शॉप्स की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती है-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	06.11.2025	प्रात 11.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने SSO ID के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रक्रियानुसार दिनांक 27.10.2025 प्रात 11.00 बजे से एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर "Citizen" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एवं उसके पश्चात जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अन्तर्गत विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. ऑनलाईन नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने हेतु प्रति मॉडल शॉप का आवेदन शुल्क रूपये 50,000/- निर्धारित है, जो कि अप्रतिदेय (Non-refundable) होगा।
4. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा 10,000/- के गुणांक में बढाकर बोली लगानी होगी।
5. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस/पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नहीं लगा सकेगा।
6. मॉडल शॉप्स का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
7. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा मॉडल शॉप का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हा जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेंगे। ऑनलाईन भुगतान नहीं होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नहीं होने के कारण बोली में भाग नहीं ले पान के लिये आवेदक स्वयं जिम्मेदार होगा।
8. प्रत्येक मॉडल शॉप के लिये ऑनलाईन नीलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिर्जव प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dyanamic Earnest Money) भी जमा करानी होगी।
9. सफल बोलीदाता को धरोहर राशिअग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तो जो विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है क अनुसार जमा करानी होगी।
10. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
11. वर्ष 2025-26 के पात्र अनुज्ञाधारियों को वर्ष क्रमश 2026-27, 2027-28, व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तो पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
12. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-26 समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तो का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
13. मॉडल शॉप के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगे, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
14. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेंगे।

(शिवप्रसाद नकाते) आबकारी आयुक्त, राजस्थान

DIPR/C/15906/2025

प्रत्यक्ष आवंटन योजना के छठवें चरण की आज से शुरूआत करेगा रीको प्रशासन

14 अक्टूबर तक राइजिंग राजस्थान समिट में सरकार के साथ एम.ओ.यू करने वाले निवेशक 13 नवंबर तक ईएमडी जमा करवाकर आवेदन कर सकेंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए रीको द्वारा संचालित प्रत्यक्ष आवंटन योजना के पाँच चरणों को मिली अभूतपूर्व सफलता के पश्चात् इस योजना के छठे चरण की शुरूआत 30 अक्टूबर से की जा रही है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 में 14 अक्टूबर तक राज्य सरकार के साथ एमओयू करने वाले निवेशक 30 अक्टूबर से 13 नवम्बर 2025 तक ऑनलाइन ईएमडी जमा कर आवेदन कर सकेंगे। इस चरण की ई-लॉटरी 18 नवम्बर को निकाली जायेगी।

- **इसके बाद 18 नवंबर को ई-लॉटरी के जरिए 100 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 6000 औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध करवाये जाएंगे**

योजना के छठवें चरण में निवेशकों को जयपुर में माथासुला, मंडा (द्वितीय), रेनवाल, कुंजबिहारीपुरा, तूंगा, जोधपुर में झाक, बीकानेर में करणी विस्तार और गजनेर जैसे 100 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 6000 औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध करवाये जाएंगे। योजना में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, महिला उद्यमी, भूतपूर्व सैनिक, बेंचमार्क दिव्यांगजन तथा सशस्त्र बलों/अर्द्धसैनिक बलों के शहीदों के आश्रितों हेतु पृथक आरक्षण प्रावधानित है।

सितंबर माह में आयोजित हुए योजना के पंचम चरण में 224 भूखण्डों के लिये 322 आवेदन प्राप्त हुये थे। इनमें सबसे ज्यादा रूझान कुंजबिहारीपुरा (जयपुर), बोरानाडा विस्तार एवं मलसीसर (झुंझनुं) के औद्योगिक भूखण्डों के लिये देखा गया। रीको को इस योजना के अंतर्गत अब तक 990 भूखण्डों के लिये 1450 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इनमें से 707 भूखण्डों का आवंटन किया चुका है और 213 प्रक्रियाधीन हैं।

ज्ञात रहे कि 50 हजार वर्गमीटर तक एक ही आवेदक होने की स्थिति में सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी द्वारा आवंटन होगा।

50 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल से अधिक के लिए आवेदक की पात्रता तथा भूमि आवश्यकता के गुणावगुण के आधार पर आवंटन किया जायेगा। निवेशकों को अमानत राशि के तौर पर कुल देय प्रीमियम राशि का 5 प्रतिशत ऑनलाइन आवेदन के साथ जमा कराना अनिवार्य होगा।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के अंतर्गत आवेदन करने वाले निवेशकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जिसकी ओर से एमओयू निष्पादित किया गया है, भूखण्ड आवंटन उसी कंपनी अथवा व्यक्ति के नाम किया जायेगा। अतः ऑनलाइन आवेदन पंजीकरण के समय इस बिंदु का विशेष ध्यान रखा जाना अपेक्षित है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के ''शहरी-ग्रामीण सेवा शिविर'' बने आमजन के मददगार

प्रदेश के लाखों लोगों को 18 विभागों की सेवाएं एक ही छत के नीचे सुलभ हुईं

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुए ''शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविरों'' के माध्यम से लाखों लोगों की समस्याओं को समाधान मिला। इन शिविरों ने 18 विभागों की सेवाओं को एक ही छत के नीचे आमजन को उपलब्ध कराया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर प्रारंभ हुए ये शिविर मुख्यमंत्री शर्मा की जनकेन्द्रित कार्यक्रमों का प्रमुख उदाहरण के रूप में उभरे हैं। सेवा शिविरों के अब तक (17 सितम्बर से 25 अक्टूबर) 1 लाख 99 हजार से अधिक पट्टा वितरण और 2 लाख 67 हजार से अधिक मंगला पशु बीमा पॉलिसी जारी की गई है। साथ ही 1 लाख 25 हजार से अधिक जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन, 2 लाख 8 हजार से अधिक जाति प्रमाण पत्र और 1 लाख 75 हजार से अधिक मूल निवास प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

इसी प्रकार 2 लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स का सत्यापन, 1 लाख 51 हजार से अधिक जनधन योजना के अंतर्गत बैंक खातों का खोलना तथा 1 लाख 42 हजार से अधिक नई स्ट्रीट लाइट्स को लगाना और मरम्मत कार्य किए गए हैं। वहीं, 17 लाख से अधिक किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं की एनीमिया तथा 10 लाख 96 हजार से अधिक नागरिकों की टीबी की जांच के साथ 24 लाख 84 हजार से अधिक मरीजों का उपचार किया गया।

प्रदेशभर में आयोजित हुए इन शिविरों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर 97 हजार से अधिक प्रकरणों का निस्तारण और जन आधार योजना में 1 लाख 14 हजार से अधिक पात्रों का संशोधन और अद्यतन किया गया। वहीं, 25 हजार से अधिक लोगों के स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण आवेदन लेने के साथ ही 75 हजार से अधिक को वय वंदन कार्ड जारी किए गए। ये शिविर ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हुए हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इन शिविरों में 1 लाख 56 हजार से अधिक भू-राजस्व शुद्धिकरण प्रकरणों और 1 लाख 25 हजार से अधिक नामांतकरण प्रकरणों का निस्तारण करने के साथ ही 1 लाख 19 हजार से अधिक फार्मर रजिस्ट्री में पंजीयन किए गए हैं।

- **1.99 लाख लोगों को पट्टे, 2.67 लाख लोगों को पशु बीमा पॉलिसी जारी हुई**
- **सवा लाख से ज्यादा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, 2.08 लाख से ज्यादा जाति प्रमाण पत्र मिले**

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण सेवा शिविरों में रजिस्ट्री, पट्टे, गिरदावरी, कुर्रेजात, विभाजन, नामांतरण, प्रमाण पत्र और अन्य विभिन्न कार्यों के साथ ही पात्र व्यक्ति और परिवारों को वृहद् स्तर पर जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया। वहीं शहरी सेवा शिविरों में सड़कों, नालियों और सीवर लाइन की मरम्मत, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण आदि के साथ ही जन्म-मृत्यु या विवाह पंजीयन, पट्टे, एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, नामांतरण, भवन स्वीकृति, टैक्स जमा, सीवर कनेक्शन, जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

ए.डी.जी.पी. विशाल बंसल ने संभाला एसओजी का पदभार

अपराध नियंत्रण को लेकर दिए सख्त निर्देश

जयपुर। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विशाल बंसल ने बुधवार को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एडीजीपी) का पदभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने एसओजी मुख्यालय परिसर का निरीक्षण किया और अधिकारियों से विभाग की कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

इस मौके पर एसओजी के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने उनका स्वागत किया। एडीजीपी बंसल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों की जांच समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए और साइबर अपराध, संगठित अपराध तथा नशे की तस्करी जैसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि एसओजी की पहचान राज्य में गंभीर अपराधों की प्रभावी जांच और अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई के लिए जानी जाती है, और इस परंपरा को आगे और मजबूत किया जाएगा।

बंसल ने अधिकारियों से संगठित टीमवर्क और तकनीकी दक्षता बढ़ाने पर भी जोर दिया, ताकि राज्य में अपराध नियंत्रण और जनता के विश्वास को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी टीम में होगा बदलाव

जयपुर। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने पदभार ग्रहण करते ही कमिश्नरेट में संगठित अपराध पर लगाम लगाने के साथ गैंगस्टर्स और मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए नई सीएसटी टीम बनाने की कवायद शुरु कर दी है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर, स्पेशल कमिश्नर ऑपरेशन्स राहुल प्रकाश ने कमिश्नरेट की स्पेशल टीम की बैठक ली। इस दौरान सीएसटी में काम कर रहे पुलिसकर्मियों से उनके काम को लेकर जानकारी ली गई।

क्राइम कंट्रोल और मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर भी पुलिसकर्मियों से सुझाव लिए गए। इस मीटिंग के बाद पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि टीम का रिव्यू कर लिया गया है।जल्द एक नई टीम तैयार करने पर काम शुरू कर दिया गया है। इसके बाद कमिश्नर ने स्पेशल कमिश्नर राहुल प्रकाश को सीएसटी में टीम इंचार्ज सहित अन्य पदों पर जल्द ही नियुक्ति करने के आदेश दिए। सीएसटी टीम में सीआई से लेकर कॉन्स्टेबल तक करीब 25 से 30 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएगें। इसके लिए सक्षम पुलिसकर्मियों और उनके कार्य को देखा जा रहा है। इस दौरान पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि नई टीम को सीनियर अधिकारियों और नए कानून के बारे में ट्रेनिंग दी जाएगी।

हाईकोर्ट ने प्रसंज्ञान आदेश रद्द करने से इनकार किया

लापरवाही के मामले में महिला चिकित्सक के खिलाफ चलेगी ट्रायल

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रसव के दौरान नवजात की मौत के मामले में निचली अदालत की ओर से सेवायतन अस्पताल की चिकित्सक डॉ. विनय सुरैन के खिलाफ निचली अदालत की ओर से लिए प्रसंज्ञान को सही माना है। अदालत ने कहा कि मामले में कोर्ट की ओर से की गई टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना निचली अदालत मामले की सुनवाई करेगी। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. विनय सुरैन की आपराधिक याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि निचली अदालत ने मामले में पेश एफआर को अस्वीकार कर इसे अग्रिम अनुसंधान के लिए भेजने के दौरान कोई गलती नहीं की है।

- **प्रसव के दौरान नवजात की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने सेवायतन अस्पताल की चिकित्सक डॉ. विनय सुरैन के खिलाफ निचली अदालत की ओर से लिए प्रसंज्ञान को सही माना**

याचिका में कहा गया कि मामले में सोडाला थाना पुलिस ने दिसंबर, 2007 में एफआर पेश कर दी थी। इसके बाद शिकायतकर्ता को समय देने के बाद भी उसने प्रोटेस्ट पिटिशन दायर नहीं की।

वहीं दूसरी ओर जांच अधिकारी के प्रार्थना पत्र पर अदालत ने प्रकरण को अग्रिम अनुसंधान के लिए भेज दिया और मामले में सीआईडी सीबी ने याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप पत्र पेश कर दिया। जिस पर निचली अदालत ने प्रसंज्ञान ले लिया। ऐसे में प्रसंज्ञान आदेश को रद्द किया जाए। जिसका विरोध करते हुए परिवादी दिनेश आर मेहता की ओर से अधिवक्ता अंशुमन सक्सेना ने बताया कि परिवादी की पुत्रवधू सोनल को डिलीवरी के लिए सेवायतन अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां डिलीवरी के दौरान नवजात की मौत हो गई।

याचिकाकर्ता अपने आप को स्त्री रोग विशेषज्ञ होने का दावा करती है, लेकिन वह इसकी विशेषज्ञता नहीं रखती है। इसके अलावा अस्पताल में सोनोग्राफी के लिए भी दक्ष स्टाफ नहीं था। ऐसे में याचिकाकर्ता की लापरवाही के चलते नवजात की मौत हुई थी और निचली अदालत ने मामले में प्रसंज्ञान लेकर कोई गलती नहीं की है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत याचिका को खारिज कर दिया है।

औषधीय जड़ी-बूटियों की आधुनिक कृषि-प्रौद्योगिकी विकसित करना समय की आवश्यकता : स्वामी रामदेव

जैव विविधता ही कृषि प्रणाली की सफलता की कुंजी : आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार में 'मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रबंधन द्वारा गुणवत्तापूर्ण जड़ी-बूटियों की सतत खेती' पर राष्ट्रीय सम्मेलन 28 अक्टूबर को संपन्न हुआ। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टिट्यूट, आरसीएससीएनआर-1 के तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से, भरुवा एग्री साइंस के संयुक्त प्रयास में यह आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ पृथ्वी, स्थायी कृषि, दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना और इसे वैश्विक स्तर पर मजबूत करना था। इसमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय किसान, शोधकर्ता, कृषि विशेषज्ञ और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल हुए, जिन्होंने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के तकनीकी उपायों पर चर्चा की। कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण महाराज ने मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट करके किया। स्वागत उद्बोधन डॉ. ए.के. मेहता, निदेशक तकनीकी, उद्यानिकी, पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट ने दिया।

पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार में आयोजित 'मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रबंधन द्वारा गुणवत्तापूर्ण जड़ी-बूटियों की सतत खेती' पर राष्ट्रीय सम्मेलन 28 अक्टूबर को संपन्न हुआ।

स्वामी रामदेव ने कहा कि, संभावित औषधीय जड़ी-बूटियों की आधुनिक कृषि-प्रौद्योगिकी विकसित करना आज की आवश्यकता है। योग, ऋषि और हरित क्रांति का संदेश देते हुए कहा कि रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से मूक धरती पीड़ा झेल रही है, जिसका दुष्प्रभाव आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर पड़ेगा।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि जैव विविधता ही कृषि प्रणाली की सफलता की कुंजी है, इसलिए कृत्रिम खेती के स्थान पर जैविक खेती अपनाएं। उन्होंने कहा कि देश में कुल फूड प्रोसेसिंग का 10 प्रतिशत कार्य होता है, जिसमें पतंजलि की भागीदारी 8 प्रतिशत है। आंवला, एलोवेरा, अनाज और तिलहन उत्पादन में पतंजलि अग्रणी है।

संस्था प्रकृति, पर्यावरण और धरती के संरक्षण हेतु समर्पित है तथा बायो कंपोस्ट और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों पर निरंतर अनुसंधान कर रही है। भारत सरकार के सहयोग से पतंजलि ने 80 हजार से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हमारे किसान मृदा परीक्षण, मिट्टी प्रबंधन, फसल नियोजन, सिंचाई और कीट नियंत्रण में सुधार कर सकते हैं।

उन्होंने तकनीकी एकीकरण से टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने और संबंधित चुनौतियों के समाधान पर भी विशेष बल दिया।

मंदिरों के जीर्णोद्धार का काम जल्द हो : जोराराम कुमावत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट में की गई घोषणाओं की शत-प्रतिशत क्रिन्याविति के लिए पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने शासन सचिवालय में देवस्थान विभाग की समीक्षा बैठक ली।बैठक में देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बजट वर्ष- 2024-25 व 2025-26 में विभाग के लिए की गई घोषणाओं की समीक्षा करते हुए प्रगति पर असंतोष जाहिर करते हुए विभाग के मंदिरों में जीर्णोद्धार के लिए डीपीआर का कार्य पूरा जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। डीपीआर बनाकर मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य पूरा करने के लिए आयुक्त की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया

नहर के गणेशजी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव

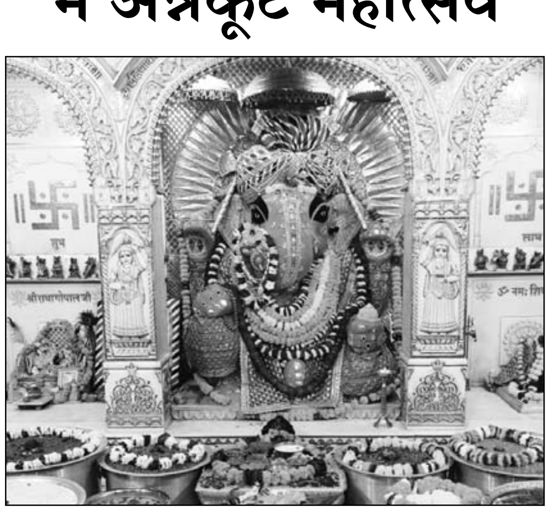

जयपुर। ब्रह्मपुरी माऊण्ट रोड़ पर स्थित अतिप्राचीन दाहिनीं सूँड दक्षिणमुखी श्री नहर के गणेशजी महाराज के मंदिर में बुधवार को अन्नकूट महोत्सव एवं भजन संध्या का कार्यक्रम हुआ।

मंदिर युवाचार्य पंडित मानव शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम मंदिर महंत पंडित जय शर्मा के सान्निध्य में मनाया गया। जिसमें बुधवार प्रातः मंगला आरती में प्रभु को नवीन पौषाक व साफा धारण करवाकर प्रातः 5.30 पर मंगला आरती की गई । तापश्चात सायं 4.30 पर प्रथमपूज्य को अन्नकूट भोग में मीठी लापसी, मूंग, चौला, बाजरा, चाँवल , खीर, पुड़ी, कढ़ी, गड़मड़ की सब्जी,चूरमा इत्यादि व्यंजनों का भोग लगाकर आरती की गई एवं सायं 5 बजे से मंदिर में दर्शनार्थ पधारने वाले भक्जनों को अन्नकूट दोना प्रसादी वितरित की गई। सायं आरती के पश्चात गणपति के दरबार में भक्ति संध्या का कार्यक्रम हुआ। जिसमें देश व प्रदेश के शास्त्रीय व उपशास्त्रीय गायक वादकों जिनमें गोपाल सिंह राठौड़ , सुरभी चतुर्वेदी, भूमिका अग्रवाल, बुंदु खाँ , बनारसीदास , हेमराज , दिलशाद , परमेश्वर कथक, साँवरमल कथक, संजीव शर्मा, संदीप सोनी इत्यादि द्वारा सांगितिक प्रस्तुतियाँ दी गई। मंच संचालन आर.डी अग्रवाल, राजेश आचार्य , शोभाचन्दर पारिक ने किया। आगंतुक समस्त कलाकारों का स्वागत मंदिर महंत परिवार द्वारा किया गया।

ओ.आर.एस. के नाम पर धड़ल्ले से बिक रहे पेय पदार्थ जब्त किए खाद्य विभाग ने

जयपुर। ''शुद्ध आहार- मिलावट पर वार'' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने राजधानी जयपुर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि विभाग को शिकायतें प्राप्त हुई थीं कि बाजार में ओआरएस नाम से मिलते-जुलते रेडी टू सर्व फ्रूट बेवरेज/इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक के रूप में कई पेय पदार्थ विभिन्न फ्लेवर में बेचे जा रहे हैं। ये उत्पाद इस तरह प्रस्तुत किए जा रहे थे कि आमजन भ्रमित हो रहे थे कि यह दस्त या डिहाइड्रेशन की स्थिति में शरीर में पानी की कमी पूरी करने वाला ओआरएस घोल है, जबकि वस्तुतः ये केवल फ्रूट फ्लेवर पेय पदार्थ है।

जांच के दौरान विभागीय टीम ने ऐसे पांच विभिन्न फ्लेवरों के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत जांच के लिए सैंपल लिए तथा शेष 193200 मिलीलीटर पेय पदार्थ को मौके पर सीज कर दिया गया। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा, विशाल मित्तल, नरेश कुमार चेजारा, नरेंद्र शर्मा एवं पवन कुमार गुप्ता की सराहनीय भूमिका रही।

इधर बाजार में दवाई के नाम पर ओ आर एस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट्स) से मिलते जुलते नामो से भ्रामक रूप से पेय पदार्थ बेचे जा रहे हैं। जिस पर आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉक्टर टी शुभमंगला के निर्देश पर सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम द्वारा मध्यम मार्ग मानसरोवर स्थित अपोलो फार्मेसी पर कार्यवाही की, जिसमे फ्रूट ड्रिंक के 200-200 मिलीलीटर के टेट्रा पैक को भ्रामक तरीके से ओ आर एस के रूप में बेचा जा रहा था।

फूड सेफ्टी टीम ने मानसरोवर स्थित अपोलो फार्मेसी पर कार्यवाही कर फ्रूट ड्रिंक के 200-200 मिलीलीटर के टेट्रा पैक जब्त किए।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि इस फर्म पर ओआरएस अल ब्रांड की रेडी टू सर्व फ्रूट बेवरेज इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक डीहाइड्रेट को एप्पल,ऑरेंज फ्लेवर के 77 टेट्रा पैक रखे हुए थे जिनके नमूने लेकर शेष को सीज किया गया। टीम के द्वारा खरीद बिल मांगने पर सेल्समैन कालूराम ने अपोलो फार्मेसी के मालवीय नगर स्थित डिपो का बिल पेश किया, जिस पर एक टीम को डिपो पर भेजा गया। डिपो से भी उक्त भ्रामक ब्रांड के ड्रिंक के 3 नमूने लेकर 585 टेट्रापैक सीज किए गए। विभाग द्वारा ओ आर एस के नाम पर बाजार में बिक रहे ऐसे उत्पादों को रिकॉल करवाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

डॉक्टर मित्तल ने बताया कि ओ.आर.एस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट) औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम 1945 के तहत एक मानक दवा है, जिसका उपयोग तीव्र दस्त (डायरिया) के उपचार में किया जाता है जिसके स्टैंडर्ड डीसीजीआई द्वारा निर्धारित किए गए हैं। जबकि बाजार में मिल रहे भ्रामक पेय उत्पाद वास्तव में नॉन कार्बोनेटेड या फ्रूट आधारित पेय पदार्थ हैं जिसका उपयोग औषधीय रूप से नहीं किया जा सकता है।

सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण और अखंडता के योगदान को जन-जन तक पहुंचाएंगे : मदन राठौड़

मतदाता सूची से बाहरी व्यक्तियों का नाम हटना जरूरी : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती देश के लिए गर्व और प्रेरणा का अवसर है। भाजपा द्वारा ''सरदार-150 यूनिटी'' अभियान के माध्यम से एक व्यापक जन-जागरण अभियान शुरू किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण और अखंडता के योगदान को जन-जन तक पहुंचाना है। इसकी शुरूआत 31 अक्टूबर को जयपुर से रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के साथ किया जाएगा, इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित प्रदेश के अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक भाग लेंगे। इसके पश्चात प्रत्येक जिला और विधानसभा क्षेत्र में रन फॉर यूनिटी आयोजित की जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने एसआईआर होना ही चाहिए, यह मतदाता सूची का गहनता से परीक्षण है। भारत किसी धर्मशाला की तरह नहीं है कि कोई भी आए, रहे और वोटर बनकर पैसे के लिए अपना मताधिकार बेच दे। कोई भी बांग्लादेशी, रोहिंग्या आकर मतदाता बन जाए और वोट बेच दें, यह हो नहीं सकता। ऐसे लोगों का नाम मतदाता सूची से कटना ही चाहिए।

राठौड़ ने निकाय -पंचायत चुनावों के देरी के सवाल पर कहा कि कांग्रेसी लोग अनभिज्ञता के कारण ऐसे सवाल उठा रहे है। मतदाता सूची लोकसभा-विधानसभा की अलग और निकाय एवं पंचायत चुनावों की अलग होती है। इनकी भाग संख्या अलग होती है, इनके मतदाता सूची अलग होती है, यह समझने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि देरी कांग्रेस के अव्यवस्थित रूप से वार्डों का गठन करने के कारण हुई। कांग्रेस ने अपने चहेतों के हितों को साधने के लिए कहीं एक विधानसभा का जिला बना दिया तो कहीं 13 विधानसभा का एक जिला, कहीं 700 मतदाताओं का वार्ड बना दिया तो कहीं 7 हजार मतदाताओं का वार्ड बना दिया। यह कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति थी, जो वो अपने चहेतों को खुश करने के लिए अपना रहे थे, लेकिन भाजपा की भजनलाल सरकार ने इसमें सुधार करते हुए, उनके बिगड़े हुए ढांचे को सुधारते हुए समान जनसंख्या के आधार पर पुनर्गठन करने का काम किया है। इस नई व्यवस्था के चलते उनको दर्द हो रहा है। उनको लग रहा है कि अब हम तो आएंगे ही नहीं। वैसे मैं यहां स्पष्ट कर दूं कि वो कहीं आने वाले ही नहीं है।

जेल में बंदियों ने बनाया भारत का विशाल नक्शा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राष्ट्रीय एकता दिवस और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को विशिष्ट केंद्रीय कारागार श्यालावास में बंदियों ने एक ऐसा आयोजन किया जिसने हर किसी का ध्यान आकर्षित किया।

जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ की प्रेरणा से और जेलर विकास बागोरिया के मार्गदर्शन में जेल परिसर के खुले मैदान में चार सौ से अधिक बंदियों ने मिलकर भारत का एक विशाल नक्शा तैयार किया। इसके बाद सभी बंदी इस नक्शे में व्यवस्थित रूप से बैठकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया।

- **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की प्रतीकात्मक प्रस्तुति के साथ सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित**

इस अनूठे प्रदर्शन का सबसे बड़ा आकर्षण नक्शे के ठीक केंद्र में स्थापित सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा थी, जो उनकी प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का प्रतीकात्मक रूप थी। इस प्रस्तुति ने लौह पुरुष को एक अनोखी और भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। आयोजन के दौरान बंदियों ने पूरे जोश के साथ तिरंगी झंडियाँ लहराई और देशभक्ति के नारे लगाए।

थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के अगले दिन ही संदिग्ध अवस्था में अधेड़ का शव मिला

खेत के पास संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया शव, ग्रामीणों में आक्रोश

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर क्षेत्र के डूंगरिया कला गांव में बुधवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नंदा राम मेघवाल (50) पुत्र मांगा राम मेघवाल के रूप में हुई है। शव खेत के पास संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है।

शव मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

- दर्ज रिपोर्ट में पारिवारिक विवाद का उल्लेख करते हुए पत्नी और बच्चों पर गंभीर आरोप लगाए थे
- बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से अनबन चल रही थी और मामला कई बार स्थानीय स्तर पर भी उठ चुका था

जानकारी के अनुसार मृतक नंदा राम ने मंगलवार को ही थाना पुष्कर में एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें उसने पारिवारिक विवाद का उल्लेख करते हुए अपनी पत्नी और बच्चों पर गंभीर आरोप लगाए थे। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से अनबन चल रही थी और मामला कई बार स्थानीय स्तर पर भी उठ चुका था। ग्रामीणों का आरोप है कि रिपोर्ट देने के बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की और मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अब रिपोर्ट के अगले ही दिन मृतक का शव मिलना कई सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीण इसे स्पष्ट रूप से हत्या का मामला मान रहे हैं, जबकि परिजन भी पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रिपोर्ट देने के सिर्फ 24 घंटे बाद नंदा राम का शव मिलना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। लोगों का कहना है कि अगर कल रिपोर्ट पर कार्रवाई की जाती, तो आज यह दर्दनाक घटना नहीं होती। घटना की सूचना मिलते ही गांव में भारी भीड़ जमा हो गई।

पुष्कर थाने के अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक की मौत कुल्हाड़ी जैसे धारदार हथियार से वार किए जाने से हुई है। पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। गांव में फिलहाल तनाव का माहौल बना हुआ है।

परिजनों का आरोप है कि नंदा राम कई दिनों से परेशान चल रहा था और उसने पुलिस से सुरक्षा की मांग की थी, लेकिन उसकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि अगर रिपोर्ट देने के बाद भी किसी की जान सुरक्षित नहीं है, तो इंसाफ कहां है? वहीं प्रथम दृष्टया मृतक नंदाराम के कुल्हाड़ी जैसे धारदार हथियार से वार होना प्रतीत हो रहा है संभवत नंदाराम की मौत हुई हो पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

जर्जर सड़क से आमजन, वाहन चालक और छात्र परेशान

बारिश के बाद सड़क पर छोटे-छोटे गड्ढे बन गए हैं।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला कस्बे के रेलवे फाटक के पास की सड़क बुरी तरह से जर्जर हो गई है। जगह-जगह गहरे गड्ढे और उनमें भरा गंदा पानी राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। हर दिन वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को इस रास्ते से गुजरना किसी खतरे से कम नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब रेलवे फाटक बंद होता है, तब चालकों को इन्हीं गड्ढों में भरे पानी में खड़े रहना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है।

- सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और उनमें भरा गंदा पानी परेशानी का सबब बना

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क की मरम्मत लंबे समय से नहीं हुई है। कुछ माह पूर्व विभाग ने केवल औपचारिकता निभाते हुए पेचवर्क कराया था, जिससे सड़क और अधिक खराब हो गई। अब हालत यह है कि बारिश के बाद सड़क पर छोटे-छोटे तालाब बन गए हैं। लोग रोजाना गिरने और चोट लगने का जोखिम झेल रहे हैं। लोगों ने रेलवे प्रशासन और संबंधित विभागों से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर स्थिति पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया, तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

होटल से चेक आउट करते समय दो लोगों का अपहरण, आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। होटल से चेक आउट करते समय दो लोगों का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले आरोपी को भाबरू थाना पुलिस ने 12 घंटे में गिरफ्तार कर लिया है। भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया ने बताया कि 27 अक्टूबर को परिवादी प्रवीण सिंह ने थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह और उसके साथी एक होटल से चेक आउट कर रहे थे। उसी समय एक फॉर्च्यूनर कार व एक थार गाड़ी में सोनू बालास व उसके 3-4 साथी आए व उसके दो साथियों को जबरन गाड़ी में डालकर ले गए व पांच लाख रुपए फिरौती की मांग की व मारपीट कर पटक गए। इस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड़ देवेंद्र विश्नोई ने बताया कि वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन व भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए मुल्जिमों की तलाश कर 12 घंटों में ही सोहनलाल उर्फ सोनू बालास पुत्र मालाराम निवासी बासदयाल थाना, अजय कसाणा पुत्र सतपाल निवासी गोठडी थाना, धोलाराम पुत्र रामकुंवार निवासी मोलाहेडा थाना को गिरफ्तार किया। वहीं अपहरण की घटना में प्रयुक्त वाहन फॉर्च्यूनर कार बरामद की गई। भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया ने बताया कि गिरफ्तार मुल्जिम सोहनलाल उर्फ सोनू बालास के खिलाफ विभिन्न थानों में दर्जनभर प्रकरण दर्ज है व कई प्रकरणों में वांछित हैं।

- पांच लाख रुपए फिरौती की मांग की व मारपीट कर पटक गए बदमाश

भाबरू थाना पुलिस ने अपहरण के अरोपियों को गिरफ्तार किया।

आरएलपी ने बीकानेर में सातवां स्थापना दिवस मनाया

- रालोपा सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस-बीजेपी को कोसा, रामेश्वर डूडी को याद किया
- बहुत लोगों का दिमाग खराब हो गया है, उसे हमें ही ठीक करना है : हनुमान बेनीवाल

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) ने बुधवार को अपना सातवां स्थापना दिवस मनाया। पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान पर आयोजित स्थापना दिवस समारोह में हनुमान बेनीवाल तय समय से ढाई तीन घंटे देरी से पहुंचे। रैली स्थल पर पहुंचने के बाद मंच पर बेनीवाल ने केक काटा तो कार्यकर्ताओं ने करीब दस मिनट तक आतिशबाजी की।

हनुमान बेनीवाल ने बीकानेर में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे लोगों ने कहा था कि वसुंधरा आपको कुचल देगी। हुआ ये कि वो खुद दूर हो गई। प्रदेश में अपराध बढ़ रहे हैं। देशभर में अपराधों में हम आगे हो गए। उन्होंने कहा कि रामेश्वर डूडी की कमी सभी को खल रही है। उनकी कांग्रेस में दिल्ली तक पकड़ थी। रामेश्वर डूडी का जाना दुखद है। बीकानेर की सभा में बेनीवाल ने कहा कि बहुत लोगों का दिमाग खराब हो गया है। उसे हमें ही ठीक करना है। युवाओं के लिए आरएलपी हर वक्त लड़ने को तैयार है। युवाओं को आव्हान किया कि आप तैयार हो जाओ हम राजधानी में घुस जायेंगे, विधानसभा में घुस जायेंगे। दिल्ली भी चलना पड़ सकता है। अग्निवीर का पच्चीस परसेंट हिसाब किताब बाकी है। आप सभी तैयार रहो, कभी भी लड़ना पड़ सकता है। बेनीवाल ने कहा कि कृषि मंत्री के चक्कर में लोग समझ ही नहीं पाये कि असली कौनसा है और नकली कौनसा है। आपके कारण किसान परेशान हुए। कितने लोगों को जेल में डाला। बीकानेर में मूंगफली का बड़ा घोटाला हो रहा है। खेत किसी का, टोकन किसी को। फसल बीमा क्लेम में फर्जीवाड़ा हो रहा है। यहां के नेता कंपनियों के मुनीम बन गए हैं। कंपनियों से मिलकर गाड़ियां खरीद रहे हैं या फिर उनसे गिफ्ट ले रहे हैं।

बेनीवाल का बीकानेर में ये शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। स्टेज पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के पहुंचने का सिलसिला दोपहर में शुरू हुआ। दोपहर बारह बजे से शाम साढ़े छह बजे तक कार्यकर्ता पोलिटेक्निक कॉलेज मैदान में बैठे रहे। ऊंट पर भी बड़ी संख्या में लोग रैली स्थल पर पहुंचे। ऊंट गाड़ों को भी खास तौर पर सजाया गया। जिसमें आरएलपी परिवार लिखा था।

पार्टी नेता विजयपाल बेनीवाल ने कहा कि पिछले सात साल में पार्टी के फाउंडर मेम्बर्स ने हर मुद्दे को सड़क से संसद तक उठाया है। अग्निवीर का विरोध हो या फिर एमएसपी का मामला हो, हर जगह पार्टी ने काम किया है। जब भी प्रदेश को जवानों की जरूरत होगी तब हनुमान बेनीवाल की पार्टी खड़ी होगी। कौन कहता है कि हनुमान बेनीवाल अकेला, आंखें खोलकर देखो, लाखों चाहने वालों का मेला है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को ज्वाइन किया। पार्टी की ओर से दावा किया गया कि राज्यभर से भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने पार्टी ज्वाइन की है। पार्टी अध्यक्ष दानाराम घिंटाला ने कहा कि आने वाले चुनावों में किसान और कामगार को सिर्फ हनुमान बेनीवाल ही उम्मीद की किरण के रूप में नजर आता है। घिंटाला ने कहा कि 2028 के विधानसभा चुनाव हो या फिर पंचायत व निकाय चुनाव हो सभी कार्यकर्ता साथ रहेंगे।

खींवसर विधानसभा क्षेत्र से आरएलपी की प्रत्याशी रह चुकी और पार्टी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल भी मंच मौजूद रही। कनिका के मंच पर पहुंचने के साथ ही कार्यकर्ताओं में जोश दिखाई दिया। परम्परागत लिबास में पहुंची कनिका ने आम कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। बेनीवाल के भाई भी मंच पर उपस्थित है। बीकानेर की वेटर्न एथलीट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निशानेबाजी में उम्र को पछाड़कर कई पदक जीत चुकी पाना देवी भी आरएलपी के इस कार्यक्रम में पहुंची।

सरिस्का बफर जोन का दायरा बढ़ेगा, सरकार को प्रस्ताव भेजा

- वन विभाग ने 607 वर्ग किमी क्षेत्र को सरिस्का के बफर जोन में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार किया
- अलवर फॉरेस्ट डिवीजन के कुछ हिस्से भी जोड़े जाएंगे, जिससे बाघों के लिए पर्याप्त क्षेत्र और मूवमेंट कॉरिडोर उपलब्ध हो सके

अलवर, (निसं)। अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बाघों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वन विभाग ने बफर जोन का दायरा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है। वन विभाग ने करीब 607 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को सरिस्का के बफर जोन में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें अलवर फॉरेस्ट डिवीजन के कुछ हिस्से भी जोड़े जाएंगे, जिससे बाघों के लिए पर्याप्त क्षेत्र और मूवमेंट कॉरिडोर उपलब्ध हो सके।

चीफ कंजर्वेटिव ऑफ फोरेस्ट (सीसीएफ) संग्राम सिंह ने बताया कि सरकार ने इस प्रस्ताव पर विचार के लिए एक कमेटी गठित की है। स्वीकृति मिलने के बाद विस्तारित क्षेत्र को औपचारिक रूप से बफर जोन घोषित किया जाएगा। संग्राम सिंह ने बताया कि सरिस्का से जुड़े गांवों के विस्थापन का काम भी जारी है। सुकोला गांव का सर्वे पूरा कर लिया गया है और इसे तीन महीने में मलिहार जाट क्षेत्र में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके साथ ही करास्का गांव के कुछ परिवार भी इस प्रक्रिया में शामिल किए गए हैं।

संग्राम सिंह का कहना है कि अन्य गांवों के लिए जमीन तलाशने का काम चल है, जिससे सरिस्का क्षेत्र में ग्रामीण और वन्यजीव संघर्ष को कम किया जा सके। सरिस्का रिजर्व एरिया में से 7 गांव विस्थापित हो चुके हैं, करीब 15 गांव और ढाणी अभी विस्थापित होनी बाकी हैं।

मोबाइल चोरी करके ऑनलाइन रुपए किए ट्रांसफर

जोधपुर, (कासं)। पाल पशु मेला रोड पर रहने वाले एक व्यक्ति का मोबाइल 27 अप्रेल को चोरी हो गया। शातिर ने फोन चुराने के बाद खाते में 67 हजार रूपए ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित को पता लगने पर वह पुलिस के पास पहुंचा मगर केस दर्ज नहीं किया गया। अब पीड़ित ने कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से एक नामजद युवक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। बोरानाडा पुलिस के अनुसार इन्द्रलाल माली ने यह रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी श्री जय स्वामी नारायण प्रोवीजन स्टोर के नाम में दुकान है। 27 अप्रेल की शाम को वह दुकान पर बैठा था। तब दुकान के अंदर सामान लेने गया। इस बीच किसी ने फोन चुरा लिया।

चरागाह और सरकारी ज़मीनों पर हो रहे अवैध कब्ज़े को लेकर आक्रोश

ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोगों ने खेतों तक जाने वाले मार्गों को भी बंद कर दिया है

भीलवाड़ा, (निसं)। रायला ग्राम पंचायत के राजस्व ग्राम भटेड़ा में चरागाह भूमि और सरकारी ज़मीनों पर भूमाफियाओं व दबंगों द्वारा किए गए अवैध कब्ज़े को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि अतिक्रमण के कारण गांव के पशुओं के चरने के लिए कोई जगह नहीं बची है और आमजन को असुविधा झेलनी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोगों ने खेतों तक जाने वाले मार्गों को भी बंद कर दिया है। भटेड़ा से देवरी जाने वाला मुख्य रास्ता, छोटी कुण्डियों का मार्ग और खेल मैदान तक पहुंचने वाला रास्ता भी अवरुद्ध कर दिया गया है। इससे लोगों के आवागमन में बाधा आने के साथ ही सामाजिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। इसके अलावा ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि भूमाफियाओं ने गांव के सरकारी नाले (बाला) पर कब्ज़ा कर रखा है और वहीं से अवैध रूप से बजरी की सप्लाई की जा रही है। नाले के इस दोहन से पर्यावरणीय संकट के साथ ग्रामीणों की परेशानी भी बढ़ गई है। ग्रामीणों ने बनेड़ा उपखंड अधिकारी श्रीकांत व्यास से मांग की है कि जल्द कार्रवाई कर सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाए, ताकि चरागाह भूमि व ग्रामीण मार्ग मुक्त हो सके और गांव के लोगों को राहत मिल सके।

- ग्रामीणों का आरोप है कि भूमाफियाओं ने गांव के सरकारी नाले पर कब्ज़ा कर रखा है

गुजराती गैंग पर दो केस और दर्ज

जोधपुर, (कासं)। गुजरात से लाई गई ऑटो में सवारियां बैठाने के बहाने से बुजुर्गों महिलाओं और पुरूषों के गले से सोने की चेन और जेवर चुराने वाली गैंग के खिलाफ दो और प्रकरण सामने आए है। अक्टूबर दो दिन लगातार चेन चोरी की वारदात की थी। इसमें एक घटना सरदारपुरा तारघर के पास में हुई। एक अन्य प्रकरण अगस्त महिने का है जिसमें अब केस दर्ज हुआ है। सरदारपुरा पुलिस थाने में बुजुर्ग महिला मीना बांठिया पत्नी सोहनलाल ने रिपोर्ट दी कि उनके साथ ऑटो में 28 अक्टूबर को चेन चोरी की घटना हुई थी। ऑटो में सवार अज्ञात लोगों ने तारघर के पास में गले से चेन चोरी कर ली थी। जबकि इससे एक दिन पहले 27 अक्टूबर को महामंदिर की आशा देवी के साथ चेन चोरी की घटना हुई थी।

नेशनल हाईवे 158 का 700 मीटर का अधूरा निर्माण परेशानी का सबब बना

हाईवे निर्माण के लिए प्रशासन ने दोनों तरफ के मकानों को तोड़ा था, लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी यहां निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के आसींद कस्बे के बीच से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 158 का मात्र 700 मीटर का टुकड़ा पिछले 3 साल से अधिक समय से अधूरा पड़ा है, जिसके कारण यह हिस्सा अब "मौत का रोड" बनता जा रहा है। हाईवे निर्माण के लिए प्रशासन ने दोनों तरफ के मकानों को तोड़ा, लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी यहां निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों की परेशानी बढ़ गई है और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

अधूरे कार्य से बढ़ रहे हादसे : स्थानीय निवासियों के अनुसार निर्माण कार्य रुका होने के कारण बीएसएनएल टॉवर के पास गहरे गड्ढे हो गए हैं, जो आए दिन सड़क हादसों का कारण बन रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि इन गड्ढों में रोजाना पांच से सात दोपहिया और चार पहिया वाहन गिर रहे हैं। वहीं बुधवार को भी एक टेंपो पलट गया। चालक ने कूदकर जान बचाई। इसके साथ ही मंगलवार को एक वेन पलट गई थी, जिसको राहगीरों ने बहार निकाला था। लगातार हो रहे हादसों और लोगों की परेशानी के बावजूद, नेशनल हाईवे प्रशासन इस गंभीर मामले पर मौन है और कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

बीएसएनएल टॉवर के पास बने गहरे गड्ढे में बुधवार को टेंपो पलट गया।

स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भारी रोष है कि हाईवे निर्माण के लिए प्रशासन ने मकानों को तोड़ने की सख्त कार्रवाई तो की, लेकिन इसके बाद निर्माण कार्य को प्रारंभ करना ही भूल गया है। मकान टूटने के बाद क्षेत्र में अब धूल और अव्यवस्था का माहौल है और गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं। यह अधूरा निर्माण कार्य पूरे हाईवे की सुगमता को बाधित कर रहा है। विधायक द्वारा इस मुद्दे को विधानसभा में उठाए जाने और लगातार राजनीतिक व प्रशासनिक दबाव के बावजूद, नेशनल हाईवे के परियोजना निदेशक की ओर से कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। क्षेत्र के राहगीर और निवासी नेशनल हाईवे प्रशासन से तत्काल इस 700 मीटर के टुकड़े का निर्माण कार्य शुरू करने और गड्ढों को भरकर आवागमन को सुरक्षित बनाने की मांग कर रहे हैं, ताकि आगे कोई बड़ा हादसा न हो।

- स्थानीय निवासियों के अनुसार निर्माण कार्य रुका होने के कारण बीएसएनएल टॉवर के पास गहरे गड्ढे हो गए हैं

आसींद उपखंड अधिकारी परमजीत सिंह ने बताया कि जल्द ही कार्य चालू करवाया जाएगा। दीपावली के कारण कार्य रोक दिया गया था अब एक दो दिन में कार्य चालू किया जाएगा।

पथमेड़ा का छोटा प्रयास आज वैश्विक गौसेवा महाअभियान बना : ओमप्रकाश माथुर

रेवदर, (निसं)। मनोरमा गोलोक अभिनव ब्रजमंडल अर्बुदरण्य में श्रद्धेय गोऋषि स्वामी दत्तशरणानंद महाराज की पावन निश्रा में गोपाष्टमी पर भगवान गोवर्धननाथ मंदिर एवं गो-गोपाल कॉरिडोर का ऐतिहासिक और दिव्य शिलान्यास समारोह संपन्न हुआ। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर की अगवानी पुलिस अधीक्षक डॉ. प्यारेलाल शिवरान और एडीएम राजेश कुमार गोयल ने की। यह भव्य आयोजन परमहंस स्वामी प्रज्ञानानंद महाराज (हरिहरानंद गुरुकुलम, जगन्नाथ पुरी) के सानिध्य में सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर के करकमलों से गोभक्त राजकुमार अग्रवाल के यजमानत्व में सम्पन्न हुआ।

सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने कार्यक्रम में शिरकत की।

इस अवसर पर पंडित गंगाधर पाठक एवं ललित किशोर द्विवेदी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक शिलान्यास कराया। इस दौरान जालोर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी, पिंडवाडा विधायक समाराम गरासिया, आहोर विधायक छगन सिंह राजपुरोहित, पाली के पूर्व सांसद पुष्प जैन एवं पूर्व विधायक धर्म नारायण जोशी भी मंच पर उपस्थित रहे। इसके बाद सुरभि सत्संग पंडाल में देशभर से आए गोभक्तों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने कहा कि पथमेडा का छोटा सा प्रयास आज पूरे विश्व में गोसेवा के महाअभियान के रूप में विकसित हो चुका है। यह भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की अद्भुत झलक है। उन्होंने कहा कि गोसेवा केवल धर्म नहीं, बल्कि मानवता की सर्वोच्च साधना है। उन्होंने कहा कि देसी गाय का महत्व मुझे कई वर्षों पहले महाराजश्री की प्रेरणा से मिला है। गवर्नर बनते ही सिक्किम में सबसे पहले गवर्नर हाउस में देसी गाय लेकर आया। पथमेडा के गौभक्तों एवं गौकृषि करने वाले किसानों के लिए सिक्किम के राजभवन के दरवाजे सदैव खुले हैं।

कार्यकारी अध्यक्ष रघुनाथ सिंह राजपुरोहित ने कहा कि देशभर में वर्तमान में रासायनिक खाद्य और कीटनाशक के कारण खाद्यान्न फल सब्जियां जहरीली उत्पादित हो रही है जिससे मनुष्य का स्वास्थ्य दिन भी दिन खराब होता जा रहा है। इसको रोकने के लिए गौवंश का संरक्षण आज मानव की आवश्यकता है। कार्यक्रम में केंद्रीय महामंत्री अर्जुन सिंह राजपुरोहित तिंवरी ने देशभर से आए गो भक्तों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन केंद्रीय समन्वयक विट्ठलकृष्ण के मार्गदर्शन में सीईओ आलोक सिंहल ने किया। ओमप्रकाश माथुर ने गोऋषि दत्तशरणानंदजी महाराजश्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह में देशभर से संत-महात्मा, गौभक्त एवं श्रद्धालुजन बडी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल की मौजूदगी में गोसेवा के लिए जालौर सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी ने 11 लाख रुपए घोषणा की।

वर्ल्ड कप में खेलना एक अद्भुत अनुभव है और मैं वहां मौजूद होना चाहूंगा। मैं देखूंगा कि मैं पूरी तरह से फिट हूं या नहीं और टीम के लिए उपयोगी बन सकता हूं या नहीं, उसके बाद निर्णय लूंगा।
- लियोनेल मेस्सी

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर, वर्ल्ड कप 2026 में खेलने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डी गुकेश

19 साल के भारतीय खिलाड़ी डी गुकेश ने सेंट लुइस में हुए बड़े क्लच शतरंज चैंपियंस शोडाउन 2025 में एक बड़ा कमाल किया। उन्होंने रैपिड गेम में अमेरिका के बड़े खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को काले मोहरों से हरा दिया। यह जीत ऐसे समय आई है जब कुछ ही दिन पहले नाकामुरा ने गुकेश के राजा को दर्शकों के बीच फेंककर हंगामा खड़ा कर दिया था। गुकेश की यह जीत दिखाती है कि वह कितने शांत और सही चालें चलते हैं। नाकामुरा, जो ऑनलाइन तेज गेम खेलने में माहिर हैं, उनके सामने गुकेश ने बीच का खेल आराम से खेला और आखिरी चालें बहुत अच्छी तरह से चलकर गेम जीत लिया।

क्या आप जानते हैं ?... अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड सचिन के नाम है, जिसे ताड़ना बहुत मुश्किल माना जाता है।

24 नवम्बर से प्रदेश में लगेगा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का कुंभ, सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित होगी यूनिटी मार्च

जन-जन तक पहुंचाएं एक भारत-श्रेष्ठ भारत तथा आत्मनिर्भर भारत का संदेश - भजनलाल शर्मा

जयपुर, 29 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन होने जा रहा है। 24 नवम्बर से आयोजित होने वाले इन खेलों में लगभग 24 खेल स्पर्धाएं आयोजित होंगी जिनमें देशभर के खिलाडी हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को इन खेलों से जोड़ने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। इसके लिए आयोजन से संबंधित तैयारियों, खेल तथा खिलाड़ियों के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जानकारी दी जाए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स एवं सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी संभागीय मुख्यालयों पर खेल आयोजन स्थल एवं आवास स्थलों पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था व आयोजन के दौरान सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आयोजन स्थलों पर हो साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण एवं मेडिकल सुविधा : साथ ही, उन्होंने खेलों के लाइव टेलीकास्ट के संबंध में भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए स्वायत्त शासन विभाग के अधिकारियों को स्टेडियम एवं आवास पर साफ सफाई संबंधित कार्य एवं शहर के सौंदर्यीकरण के संबंध में तथा चिकित्सा विभाग को सभी संभागीय मुख्यालयों पर खेल आयोजन एवं आवास स्थलों पर आवश्यक मेडिकल टीम की व्यवस्था के लिए भी निर्देशित किया।

जनप्रतिनिधियों की भागीदारी हो सुनिश्चित : शर्मा ने कहा कि इन खेलों के आयोजन में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इसके लिए राजस्थान के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित खिलाड़ियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाए। बैठक में बताया गया कि राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद स्तर पर एवं संभाग स्तर पर विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारी एवं संबंधित खेल महासंघ के पदाधिकारी खेल मैदानों व आवास व्यवस्था का निरीक्षण कर चुके हैं।

हर जिले में आयोजित होगी यूनिटी मार्च : सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर देश को एकजुट बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के साथ ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाने की राष्ट्रव्यापी पहल की गई है। इस अभियान में आयोजित होने वाली गतिविधियों का प्रदेश में ऐतिहासिक आयोजन सुनिश्चित किया जाए तथा जन-जन तक इसे पहुंचाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 अक्टूबर को जयपुर में गांधी सर्किल से अमर जवान ज्योति तक राज्य स्तरीय यूनिटी मार्च (पदयात्रा) आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि इस उपलक्ष्य में हर जिले में पदयात्राओं का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। वहीं, 26 नवम्बर से 6 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पदयात्रा (करमसद से केवड़िया) में प्रदेश की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए।

ज्यादा से ज्यादा युवाओं को सरदार/150 कार्यक्रम से जोड़े : शर्मा ने कहा कि साथ ही, 31 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक सभी जिलों में आयोजित होने वाली गतिविधियों में ज्यादा से ज्यादा आमजन विशेषत: युवाओं को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि इस अभियान में आत्मनिर्भर भारत के बिंदुओं पर गतिविधियों का आयोजन किया जाए। साथ ही, सरदार/150 यंग लीडर क्विज, सरदार/150 रील कंपटीशन एवं सरदार/150 निबंध प्रतियोगिता में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए।

बैठक में युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ा

कैनबरा, 29 अक्टूबर । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार को पहला टी-20 मुकाबला बारिश के कारण रद्द घोषित कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फ़ैसला किया और तेज शुरुआत के प्रयास में अभिषेक शर्मा नेथन एलिस का शिकार बने। हालांकि फिर बारिश आई और खेल प्रति टीम 18 ओवर का हो गया। खेल जब दोबारा शुरू हुआ तब सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी शुरू की। दोनों बल्लेबाज अपने-अपने अर्धशतक की ओर बढ़ ही रहे थे कि तभी एक बार फिर बारिश आ गई और अंतत: मैच को रद्द करना पड़ा।

टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी भारतीय जोड़ी ने आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। इसी दौरान चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर नेथन एलिस ने अभिषेक शर्मा को टिम डेविड के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। अभिषेक शर्मा ने 14 गेंदों में चार चौकों की मदद से 19 रन बनाये।पांचवें ओवर के समाप्त होने के बाद बारिश शुरु हो गई और खेल का रोकना पड़ा। उस समय भारत ने एक विकेट पर 43 रन बना लिये थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी विस्फोटक बल्लेबाजी का क्रम जारी रखा।

10वें ओवर में दूसरी बार बारिश के खलल के समय तक भारत ने 9.4 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बना लिये थे। इस दौरान सूर्य कुमार यादव 24 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 और शुभमन गिल 20 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 37 रन बना चुके थे। सूर्यकुमार यादव दो छक्कों के साथ रोहित शर्मा के बाद 150 छक्के पूरे करने वाले दूसरे भारतीय और दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गये। उन्होंने नेथन एलिस के ओवर में छक्का लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। बार-बार हो रही बारिश को देखते हुए अम्पायरों ने मैदान का निरीक्षण करने के बाद मैच को रद्द घोषित कर दिया।

पारूल चौधरी ने जीता गोल्ड

जयपुर,, 29 अक्टूबर । तमिलनाडू के मदुराई में आयोजित योनेक्स सनराईज ऑल इण्डिया जूनियर (अंडर-19) रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजस्थान की पारूल चौधरी ने लड़कियों के एकल मुकाबले शानदार प्रदर्षन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया। बाएँ हाथ की 17 वर्षीय पारूल चौधरी ने क्वार्टर फाईनल में तमिलनाडु की शीर्ष वरियता प्राप्त आदर्षिनी श्री एनबी को 16-21, 21-14, 21-6 से हराया। इसके बाद पारूल ने सेमीफाइनल मुकाबले में हरियाणा की छठी वरियता प्राप्त बरूनी पार्ष्वल को 21-18, 21-11 से हराकर फाइनल दौर में प्रवेष किया। फाइनल मुकाबले में पारूल ने पष्चिम बंगाल की कनिष्का को सीधे सेटों में 21-17, 21-10 से हराया। इस जीत के साथ पारूल राजस्थान की पहली महिला खिलाड़ी बन गई है जिन्होनें इस श्रेणी में गोल्ड मेडल हासिल किया है। इस शानदार उपलब्धि पर राजस्थान बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष एवं केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं राजस्थान बैडमिंटन संघ की समस्त कार्यकारिणी पारूल को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

वनडे रैंकिंग में पहली बार नंबर एक बल्लेबाज बने रोहित शर्मा

दुबई, 29 अक्टूबर । भारत के ओपनर और पूर्व वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद अपने करियर में पहली बार आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया है। रोहित ने एडिलेड में दूसरे वनडे में 73 रन की पारी खेलने के बाद सिडनी में नाबाद 121 रन की विजयी पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। इस प्रदर्शन के दम पर वह कप्तान शुभमन गिल और अफ़ग़ानिस्तान के इब्राहिम ज़ादरान को पछाड़ते हुए 781 रेटिंग अंक तक पहुंचे। दूसरे स्थान पर मौजूद ज़ादरान से यह 17 अंक अधिक हैं। गिल 745 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रोहित का पिछला सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग दूसरा स्थान था, जो उन्होंने जुलाई 2018 में हासिल किया था

इसी बीच ज़ादरान थोड़े समय के लिए अफ़ग़ानिस्तान के पहले ऐसे बल्लेबाज बने थे, जिन्होंने वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि उन्हें ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ दूसरे और तीसरे वनडे के बीच मिली, जब गिल उनसे नीचे खिसक गए थे और रोहित तब शीर्ष पर नहीं पहुंचे थे।

भारत के उपकप्तान श्रेयस अय्यर, जिन्होंने दूसरे मैच में 61 रन बनाए थे और तीसरे में चोटिल हो गए, एक स्थान ऊपर बढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं सीरीज के बाद कई गेंदबाजों की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला। ताज़ा टेस्ट रैंकिंग में पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने सुधार किया है। सऊद शकील एक स्थान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि कप्तान शान मसूद ने पांच स्थान की छलांग लगाकर 42वां स्थान हासिल किया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के टोनी डीज़ॉर्जी सात स्थान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज नौ स्थान की बढ़त के साथ 13वें स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने रावलपिंडी में पाकिस्तान के ख़िलाफ दूसरे टेस्ट में नौ विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। इसके अलावा, साइमन हार्मर ने दूसरी पारी में 50 रन देकर छह विकेट लिए और 26 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 45वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

सूर्यकुमार के टी20 में 150 छक्के पूरे

कैनबरा, 29 अक्टूबर । भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 150 छक्के पूरे कर लिए हैं और यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह रोहित शर्मा के बाद सिर्फ़ दूसरे भारतीय और दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं।

सूर्यकुमार ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां पहले टी20 मैच में यह उपलब्धि हासिल की। रोहित 159 मैच में 205 छक्कों के साथ पहले स्थान पर हैं। संयुक्त अरब अमीरात के मोहम्मद वसीम (91 मैच, 187 छक्के) दूसरे, न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्तिल (122 मैच, 173 छक्के) तीसरे और इंग्लैंड के जोस बटलर (144 मैच, 172 छक्के) चौथे स्थान पर हैं। सूर्यकुमार ने अपने 91वें मैच में 150 छक्के पूरे करने की उपलब्धि हासिल की है।

पंत की वापसी से भारतीय टीम में जोश का संचार हुआ: साई सुदर्शन

बेंगलुरु, 29 अक्टूबर । इंडिया ए टीम के उप कप्तान साई सदुर्शन ने बुधवार को कहा कि ऋषभ पंत की वापसी से टीम में जोश का संचार हुआ और इंडिया ए टीम ने फिर से अलग तरह से सांस लेना शुरू कर दिया है। पंत इस मैच में इंडिया ए टीम के कप्तान हैं।

साई सुदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका ए खिलाफ कल से शुरु होने वाले चार दिवसीय मैच से पहले यूनीवार्ता को बताया, ''ऋषभ भाई ने शुरू में ही सही कहा था हम यहां जीतने आए हैं उनकी आंखों में उस तरह का शांत भरोसा था जो सिर्फ पक्के इरादे से आता है। संदेश, सरल और मजबूत था। उनकी मौजूदगी से हर कोई जोश में आ जाता है। वही हिम्मत, वही जोश उन्हें वापस पाकर बहुत अच्छा लग रहा है। वह ज्यादा फिट और मजबूत दिख रहा है। कभी-कभी चोट आपको वह समय देती है जो लगातार यात्रा करने से कभी नहीं मिलता। उसने उस समय का बहुत अच्छे से इस्तेमाल किया है।''

उन्होंने सीधे-सादे अंदाज में कहा, ''नंबर तीन भी ओपनिंग जैसी ही है। आप नई गेंद का सामना करते हैं, आप लय सेट करते हैं, आप पारी को संभालते हैं। चाहे मैं ओपनिंग करूं या एक नंबर नीचे आऊं, जिम्मेदारी वही है भारत के लिए लय निर्धारित करना। उन्होंने कहा कि अगर मैं अपनी जगह पक्की करने के बारे में सोचने लगूंगा, तो मैं केवल अपने लिए खेलूंगा और मैं ऐसा नहीं हूं। मेरा लक्ष्य सेशन जीतना है, भारत के लिए लड़ना है। रन तो बस एक नतीजा हैं।''

सुदर्शन ने गौतम गंभीर की बातों को याद करते हुए कहा, ''हमारे पहले मैच के बाद, गौतम गंभीर सर ने मुझे कोटला नेट्स पर एक ओर बुलाकर कहा तुम यहां किसी वजह से हो। रनों के लिए बेचैन मत हो। तुम देश के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हो। इसने मुझे आजादी दी। इसने मेरे खेल को देखने का तरीका बदल दिया।''

उन्होंने समझाया, ''इस स्तर पर हर कोई तकनीकी रूप से अच्छा होता है। जो चीज आपको दूसरों से अलग करती है वह है आप रणनीतिक समझ का इस्तेमाल कैसे करते हैं, आप गेंदबाजों को कैसे सेट करते हैं। मैं उसी पर काम कर रहा हूं।''

उन्होंने कहा, ''इंडिया ए के मैच एक आशीर्वाद हैं - खासकर बड़ी सीरीज से पहले। वे हमें कंडीशन समझने, लय बनाने, बेहतर प्लान बनाने में मदद करते हैं। इस साइकिल में हमारे पास सोलह टेस्ट मैच हैं, लेकिन मैं इसे एक बार में एक सेशन करके लेता हूं। उसे जीतो, और बाकी सब अपने आप हो जाएगा।''

एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट के मुकाबले सम्पन्न

जयपुर, 29 अक्टूबर। जगतपुरा शूटिंग रेंज स्थित तीरंदाजी ऐरिना पर चल रहे एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट के आज दूसरे दिन सब जूनियर बालक-

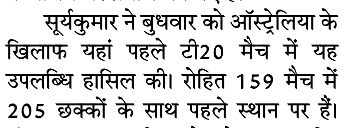

बालिकाओं के मेडल मुकाबले आयोजित हुए।

राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि सब जूनियर वर्ग में रिकर्व एवं कंपाउंड दोनों वर्गों में बालक-बालिकाओं के मेडल मुकाबले हुए। खिलाड़ियों को इस दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर की खूबसूरत पोडियम व्यवस्था पर खेलते हुए प्रतिस्पर्धा करने का शानदार अनुभव मिला।

मेडल मुकाबलों के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में तीरंदाजी के वरिष्ठ कोच कमलेश शर्मा, ओलंपियन सत्यदेव प्रसाद, तथा जिला तीरंदाजी संघ सिरोही के प्रतिनिधि हरदेव उपस्थित रहे। भारतीय तीरंदाजी टीम के कोच अनिल जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता का संचालन भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा नियुक्त तकनीकी अधिकारियों की देखरेख में किया जा रहा है, जो निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय प्रतियोगिता सुनिश्चित कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट राजस्थान तीरंदाजी संघ द्वारा भारतीय तीरंदाजी संघ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। आगामी दिनों में जूनियर एवं सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

एशियन यूथ ओलंपिक : पदक विजेताओं का मांडविया और पीटी उषा ने बढ़ाया हौसला

जयपुर, 29 अक्टूबर। ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया की ओर से बहरीन में आयोजित एशियन यूथ ओलंपिक चैम्पियनशिप में कांस्य विजेता मेघालय की अल्फोंसा जिनिआ सहित अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और आइओए अध्यक्ष पीटी उषा से मुलाकात की। प्रतियोगिता में 45 देशों के खिलाड़ी शामिल हुए थे। भारत से मुएथाई खेल से जुड़े 9 खिलाड़ियों की टीम ने भाग लिया, जिसमें से एक खिलाड़ी ने मेडल जीता। बहरीन में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी.टी ऊषा ने भारतीय टीम को पदक जीतने पर बधाई दी। दिल्ली पहुंचने पर टीम केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया के आवास पर उनसे मिली। मांडविया ने अल्फोंसा के अलावा जयपुर के मुदित गुप्ता, छत्तीसगढ़ के युवराज सिंह, असम की पेरिस को अच्छा प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने खेल मंत्रालय स्तर पर खिलाडियों के लिए हरसंभव सहयोग करने के लिए आश्वस्त किया। यूनाइटेड मुएथाई एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनोज वर्मा और महासचिव श्रीराम चौधरी भी खिलाड़ियों के साथ थे। चौधरी के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया था।

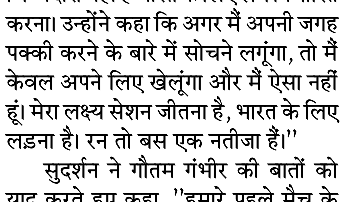

राजस्थान - हैदराबाद अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच ड्रा

जयपुर, 29 अक्टूबर। हैदराबाद पहली पारी 361 आल आउट ।

राजस्थान के गेंदबाज गणेश सुथार 46 / 3 , मोहित चांगरा 78 / 4 , चेतन शर्मा , दीपेंद्र , अनिरुद्ध सिंह 1 - 1 विकेट राजस्थान पहली पारी 134 आल आउट टीम के लिए अनिरुद्ध सिंह चौहान 69 व रोहन राजभर 26 रनृ।

हैदराबाद की गेंदबाज दिनेश , पृथ्वी 3 - 3 विकेट राजस्थान दूसरी पारी 64 / 4 टीम के लिए करण लाम्बा नाबाद 20 , राज शर्मा 17 व सचिन यादव 13 रन।

बीसीसीआई अंडर 19 वीमेन टी20 ट्रॉफी भुवनेश्वर में बारिश के कारण राजस्थान - विधर्भ मैच स्थगित ।

श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज से बाहर, बीसीसीआई ने बताया स्थिर हालत

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। भारत के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में हुए भयावह चोट के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बता दें कि मैच के दौरान उन्होंने एलेक्स केरी का कैच पकड़ते समय असामान्य ढंग से गिरकर अपनी बाईं ओर की रिब केज पर गंभीर चोट झेली, जिससे उनकी प्लीहा (स्लीन) फट गई। मौजूदा जानकारी के अनुसार, अय्यर को तुरंत मैदान पर प्राथमिक चिकित्सा दी गई और उन्हें मैच से बाहर कर दिया गया। मैच भारत ने नौ विकेट से जीत लिया, जबकि ऑस्ट्रेलिया पहले ही पर्थ और एडिलेड में दो मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुका था।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोमवार को बताया कि श्रेयस अय्यर को तीसरे में फिल्डिंग के दौरान बाईं लोअर रिब केज पर चोट लगी। उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। स्कैन में प्लीहा फटने की पुष्टि हुई है। वर्तमान में वह चिकित्सकीय रूप से स्थिर हैं और धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं।

गौरतलब है कि भारतीय टीम के डॉक्टर श्रेयस अय्यर के साथ सिडनी में बने रहेंगे और उनकी दैनिक प्रगति की निगरानी करेंगे। फिलहाल, श्रेयस अगले बुधवार से शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की -20 सीरीज में शामिल नहीं हैं। इस चोट के बावजूद टीम प्रबंधन और विशेषज्ञ उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर आश्वस्त हैं और उनका जल्द स्वस्थ होना उम्मीद की जा रही है।

पेरिस मास्टर्स के दूसरे दौर में हारे विश्व न. 1 अॅल्काराज

पेरिस, 29 अक्टूबर। विश्व नंबर 1 कार्लोस अल्काराज 2025 पेरिस मास्टर्स के दूसरे दौर में ठोट ब्रिटेन के कैमरन नॉरी (31वें नंबर) से तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में हारकर बाहर हो गए।

पहला सेट 4-6 से हारने के बाद, बाएं हाथ के ब्रिटिश खिलाड़ी ने वापसी करते हुए अगले दो सेट 6-3, 6-4 से जीत लिए, जिससे मैच का रुख पलट गया और स्पेनिश खिलाड़ी का 17 मैचों का मास्टर्स 1000 का जीत का सिलसिला टूट गया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त और प्रबल दावेदार के रूप में टूर्नामेंट में उतरे अल्काराज पूरे मैच के दौरान लय में नहीं दिखे और 54 अनफोर्स्ड एरर कर बैठे। स्पेनिश खिलाड़ी कोर्ट की परिस्थितियों से असहज दिखे और उन्हें मैच बदलने के दौरान, खासकर दूसरा सेट हारने के बाद, अपने कोच जुआन कार्लोस फरेरो से बात करते देखा गया।

इस जीत पर उत्साहित नॉरी ने कहा, '' इस तरह की जीत हासिल करना, मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है, दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और शायद इस समय दुनिया के सबसे आत्मविश्वासी खिलाड़ी पर मेरी पहली जीत।''

मैच के बाद अल्काराज ने पत्रकारों से बात करते हुए अपने प्रदर्शन पर अपनी निराशा साझा की।

शूटिंग में तीन गोल्ड, एक सिल्वर एवं चार ब्रान्ज़ मेडल जीते

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित की जा रही 07 दिवसीय (दिनांक 25.10.2025 से 31.10.2025 तक) 44वीं नार्थ जोन शॉटगन शूटिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान के शॉटगन क्ले पिज़न डबल ट्रैप (एन.आर.) के खिलाड़ियों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिखाते हुए पुरूष व महिला वर्ग की प्रतिस्पर्धाओं में गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रान्ज मेडल अपने नाम कर, राज्य का नाम रोशन किया।

इंग्लैंड की महिला टीम को 125 रनों से हराकर द.अफ्रीका वनडे विश्वकप के फाइनल में

गुवाहाटी, 29 अक्टूबर । कप्तान लॉरा वोल्वार्ट (169) की शतकीय पारी और मैरीजान कप्प (42 रन और पांच विकेट) के शानदार प्रदर्शन दम पर दक्षिण अफ्रीका ने एकदिवसीय महिला विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में बुधवार को इंग्लैंड 125 रनों से हराकर दिया। इस जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। 169 रनों की शानदार शतकीय पारी खेलने वाली लॉरा वोल्वार्ट को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

319 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने महज एक रन के स्कोर अपने शुरुआती तीनों विकेट गंवा दिये। इसके बाद कप्तान नेट साइवर ब्रंट और ऐलिस कैप्सी ने चौथे विकेट के लिए 107 रन जोड़े। 23वें ओवर में सुने लुस ने ऐलिस कैप्सी (50) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी डेनियल वायर्ट ने साइबर ब्रंट के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान 29वें ओवर में मैरीजान कप्प ने नेट साइवर ब्रंट (64) को आउटकर मैच पर दक्षिण अफ्रीका की पकड़ मजबूत कर दी। वायर्ट (34) को डी क्लार्क ने आउट किया। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी के आगे इंग्लैंड के बल्लेबाज बेबस नजर आये और अपने विकेट गंवाते चले गये। 43वें ओवर की तीसरी गेंद पर एन डी क्लर्क ने लिंसी स्मिथ ने 27 को आउट कर इंग्लैंड की पारी को 194 के स्कोर पर अंत कर दिया। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है जहां उसका मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

दक्षिण अफ्रीका के लिए मैरीजान कप्प ने 20 रन देकर पांच विकेट लिये। एन डी क्लर्क को दो विकेट मिले। अयाबोंगा खाका , एन म्लाबा और सूने लुस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए लॉरा वोल्वार्ट और तेजमिन ब्रिट्स की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 116 रन जोड़े। 23वें ओवर में सोफी एक्लस्टोन ने तेजमिन ब्रिट्स को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। तेजमिन ब्रिट्स ने 65 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाये।

इसी ओवर में एक्लस्टोन ने अन्नेका बोश (शून्य) को पवेलियन भेज दिया। 26वें ओवर में सुने लूस (एक) को नेट शिवर ब्रंट ने बोल्ड कर इंग्लैंड को तीसरी सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी मैरीजान कप्प ने लॉरा वोल्वार्ट के साथ एक बार फिर से पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजो के बीच चौथे विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। इसी दौरान वोल्वार्ट ने अपना शतक पूरा किया। 137वें ओवर में सोफी एक्लस्टोन ने मैरीजान कप्प को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया।

मैरीजान कप्प ने 33 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 42 रनों की पारी खेली। सिनालो जाफ्टा (एक) और एनरी डार्कसन चार रन बनाकर आउट हुई। इस दौरान लॉरा वोल्वार्ट एक छोर थामे तेजी के साथ रन बनाती रही। 48वें ओवर में लॉरैन बेल ने वोल्वार्ट को ऐलिस कैप्सी के हाथों कैच आउट कराया। लॉरा वोल्वार्ट ने 143 गेंदों में 20 चौके और चार छक्के लगाते हुए 169 रनों की पारी खेली। यह विश्वकप में किसी भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। क्लो ट्राइऑन ने 49वें ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाकर दक्षिण अफ्रीका को 300 के पार पहुंचा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 319 का स्कोर बनाया। क्लो ट्राइऑन 26 गेंदों में 33 रन बनाकर और नदीन डी क्लर्क छह गेंदों में 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लस्टोन ने चार विकेट लिये। लॉरैन बेल को दो विकेट मिले। नेट शिवर ब्रंट ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पारीक की गेन्दबाजी व नयन के ऑलराउण्ड प्रदर्शन से एस.आर.एकेडमी विजयी

जयपुर, 29 अक्टूबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मुकाबले में एस.आर. क्रिकेट एकेडमी ने मीत राहुल पारीक 11 रन पर 5 विकेट, नयन माली 47 रन व 19 रन पर 3 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदोलत डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी को 61 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉसजीतकर एस.आर एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन उत्सव 16 रन पर 2 विकेट, आयुष तंवर 30 रन पर 2 विकेट, हार्दिक सिगोड़ 17 रन पर 1 विकेट ने शानदार गेन्दबाजी करते हुये एस.आर एकेडमी के 5 विकेट 7 ओवर में मात्र 47 रन पर लेकर शानदार शुरूआत की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को सवाई मानसिंह अस्पताल में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पत्नी की कुशलक्षेम पूछी तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी भी मौजूद थे। इसके साथ ही कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, गौतम दक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित अनेक नेता सवाई मानसिंह अस्पताल जाकर देवनानी की पत्नी के हालचाल पूछे।

आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिये मलेशिया जायेंगे राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 12वीं बैठक - प्लस (एडीएमएम-प्लस) में हिस्सा लेने के लिए एक नवम्बर को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर जाएंगे।

रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को वक्तव्य जारी कर कहा कि सिंह फोरम में "एडीडीएम- प्लस के 15 वर्ष और

■ **वे एक नवम्बर को "15 वर्ष और आगे का रास्ता" विषय पर विचार रखेंगे।**

आगे का रास्ता" विषय पर अपने विचार रखेंगे। यह मलेशिया की अध्यक्षता में 31 अक्टूबर को आसियान-भारत रक्षा मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक का दूसरा संस्करण होगा, जिसमें सभी आसियान सदस्य देशों के रक्षा मंत्री हिस्सा लेंगे। इस बैठक का मकसद आसियान सदस्य देशों और भारत के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अधिक मजबूत करना और एक्ट ईस्ट पॉलिसी को आगे बढ़ाना है।

रक्षा मंत्री के दो दिन की यात्रा के दौरान बैठक में हिस्सा लेने वाले देशों के अपने समकक्षों के साथ-साथ मलेशिया के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी उम्मीद है।

जनजाति गौरव वर्ष में 1 से 15 नवम्बर तक पूरे प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित होंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती के कार्यक्रमों की समीक्षा की

जयपुर, 29 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर प्रदेशभर में 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक जनजाति गौरव वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों, नवाचारों तथा कार्यक्रमों को भव्य रूप से मनाते हुए सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए, जिससे भगवान बिरसा मुंडा का प्रेरणादायी जीवन जन-जन तक पहुंच सके।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर वर्ष 15 नवम्बर को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रमों के तहत आदि हाट वन धन केन्द्रों तथा

■ **मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 दिनों में जनजाति कलाकारों के उत्पादों का प्रदर्शन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, जनजाति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताएं, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण सेवा शिविर और विभिन्न कार्यशालाओं सहित अनेक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।**

जनजाति कलाकारों के उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

साथ ही, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, जनजाति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताएं, जनजाति क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण सेवा शिविर, विभिन्न कार्यशालाओं सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्र के जिले भी स्वयंसेवी संस्थाओं तथा भामाशाहों के सहयोग से विभिन्न तरह के नवाचारों को प्रोत्साहित करें। साथ ही, भगवान बिरसा मुंडा के जीवन को आमजन तक पहुंचाने के लिए साहित्य का प्रकाशन भी किया जाए।

इस दौरान संबंधित अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से 1 से 15 नवम्बर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में वीसी के माध्यम से जनजाति क्षेत्र के जिलों के कलक्टर भी जुड़े।

भाजपा पर भारी दबाव है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी कार्यकर्ताओं और जदयू समर्थकों के बीच "गंभीर उलझन" की स्थिति बन गई है। यह असंतोष, कथित तौर पर भाजपा द्वारा नीतीश को आगे बढ़ाने में दर्शाई गई अनिच्छा से उपजा है, जिसके कारण जमीनी स्तर पर नाराज़गी देखी जा रही है।

रिपोर्टों के मुताबिक, जदयू समर्थक संयुक्त प्रचार अभियानों से दूरी बनाए हुए हैं, जो उनकी निराशा को दर्शाता है। जदयू के सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार अपना विरोध दर्ज कराने के लिए प्रधानमंत्री की 30 अक्तूबर की रैली में शामिल नहीं होंगे।

इस असहजता व बेचैनी को भांपते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को माहौल को सहज करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के पद खाली नहीं हैं, मोदी जी दिल्ली में हैं और नीतीश जी बिहार में। उनका यह बयान जदयू में भरोसा बहाल करने और एनडीए के भीतर बढ़ती खाई को पाटने का एक संतुलित प्रयास माना जा रहा है।

हालांकि पटना से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति अभी भी विभाजित है। एक धड़ा मानता है कि नीतीश कुमार के नाम की घोषणा से भाजपा के अपने कुछ कार्यकर्ता नाराज़ हो सकते हैं, जबकि दूसरा धड़ा मानता है कि अगर उन्हें सीएम चेहरा नहीं बनाया गया तो गठबंधन को करीबी मुकाबले में बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पटना के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने बताया कि अंतिम निर्णय संभवत: खुद प्रधानमंत्री लेंगे। रणनीतिकार ने कहा, "या तो मोदी जी अपनी प्रस्तावित बिहार यात्रा रद्द कर देंगे, या फिर वे रैली में एक निर्णायक घोषणा करेंगे, नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने के लिए, चाहे जदयू को कितनी भी सीटें मिलें।" इस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह के रुख, कि निर्वाचित विधायक ही मुख्यमंत्री का चयन करेंगे, पर वीटो करते हुए एक स्पष्ट रुख अपना सकते हैं। जैसे-जैसे बिहार में मतदान की तारीख नज़दीक आ रही है,भाजपा की गठबंधन की गणित और नेतृत्व की छवि के बीच संतुलन साधने का खेल एनडीए के चुनावी भाग्य के लिए निर्णायक हो सकता है।

आखिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिसाब से कहीं अधिक था, लेकिन इसके बाद वे चुपचाप चुनाव-मैदान से बाहर हो गये।

राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने किशोर से भी चुनावों में भाग लेने की उम्मीद थी, लेकिन तेजस्वी के खिलाफ चुनाव लड़ने के संकेत देने के कुछ ही दिनों बाद, उन्होंने पार्टी के बड़े हित में चुनाव न लड़ने का फैसला किया, क्योंकि चुनाव लड़ना उन्हें आवश्यक संगठनात्मक कार्यों से हटा सकता था।

जन सुराज पार्टी के लिए एकमात्र स्टार प्रचारक के रूप में किशोर को पहले ही यह पता चल जाना चाहिए था, और यह आश्चर्यजनक है कि यह निर्णय बाद में घोषित किया गया। उनके आलोचक कह रहे हैं कि किशोर अब यह जान गये हैं कि उनकी पार्टी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकेगी और इसलिए वे अब चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

59 दिनों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से लोकगायिका मैथिली ठाकुर की उम्मीदवारी का भी उल्लेख किया।

शाह ने अपने भाषण में पाकिस्तान का मुद्दा भी उठाया और 'ऑपरेशन सिंदूर' तथा प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पी एफ आई) के सदस्यों से निबटने के निर्णयों का भी उल्लेख किया।

सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक की पत्नी को याचिका में संशोधन की अनुमति दी

वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमों ने वांगचुको एनएसए के तहत गिरफ्तार करने को चुनौती दी है।

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत अपने पति की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका में संशोधन करने की अनुमति दे दी। इसके साथ ही उन्हें अपने पति की हिरासत की वैधता पर सवाल उठाने वाले नए आधार और दस्तावेज़ जोड़ने की अनुमति भी दी गई।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने याचिका में संशोधन का आग्रह करने वाली अंगमो की याचिका स्वीकार कर ली और केन्द्र सरकार को अतिरिक्त आधारों पर जवाब देने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा "याचिकाकर्ता को याचिका में संशोधन करने और एक

■ **सुप्रीम कोर्ट ने याचिका के संशोधन कर एक सप्ताह में याचिका दायर करने की अनुमति दी है।**

सप्ताह के भीतर संशोधित प्रति दाखिल करने की अनुमति दी जाती है और उसके बाद दस दिनों के भीतर "संशोधित प्रतिवाद"दाखिल किया जाना है। यदि कोई प्रत्युत्तर हो, तो उसे एक सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाए। इस मामले को 24 नवंबर के लिए सूचीबद्ध किया जाए।"

अंगमो ने आरोप लगाया है कि उनके पति वांगचुक की नज़रबंदी, सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा की वास्तविक चिंताओं से प्रेरित न होकर, असहमति के अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग करने वाले एक सम्मानित नागरिक को चुप कराने का एक "सोचा-समझा प्रयास" है।

उल्लेखनीय है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित और सतत शिक्षा एवं पर्यावरण संबंधी पहलों के लिए जाने जाने वाले नवोन्मेषक वांगचुक को सितंबर में लेह में लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था।

अंगमों ने अपनी संशोधित याचिका में वांगचुक की गिरफ़्तारी से पहले की गई सरकारी कार्रवाहियों का विवरण दिया है, जिनमें उनके एनजीओ के लिए विदेशी फंडिंग लाइसेंस रद्द करना, ज़मीन के पट्टे रद्द करने संबंधी नोटिस, सीबीआई जाँच शुरू किया जाना।

प्रधानमंत्री 30-31 को गुजरात जायेंगे

नयी दिल्ली , 29 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 और 31अक्टूबर को गुजरात के दौरे पर रहेंगे और विभिन्न आधारभूत ढ ांचा एवं विकास परियोजनाओं का उद्घाटन तथा शिलान्यास करेंगे।

बुधवार को यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इस दो दिवसीय दौरे में 1,140 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। इसके साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस का भव्य आयोजन भी किया जाएगा।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य इस क्षेत्र में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना, सुगम्यता में सुधार लाना और सतत विकास पहलों को बढ़ ावा देना है। कुल 1,140 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली ये परियोजनाएं दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा के आसपास के क्षेत्र में इको-टूरिज्म, ग्रीन मोबिलिटी, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और आदिवासी विकास को बढ़ ावा देने के लिए हैं।

मोंथा: तेलंगाना के 6 जिलों में रेड अलर्ट

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। चक्रवाती तूफान मोंथा के प्रभाव के चलते तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश हुई। राज्य के वारंगल, जनगांव, हनुमाकोंडा, महबुबाबाद, करीमनगर, सिद्दीपेट, यदाद्री भुवनागिरी, सूर्यापेट, नलगोंडा, खम्मम, भद्राद्री कोठागुडेम, नगरकुर्नूल, पेद्दापल्ली उन जिलों में से हैं, जहां भारी बारिश हुई। साथ ही हैदराबाद में भी बारिश देखी गई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार को वारंगल, हनुमकोंडा, महबूबाबाद, जनगांव, सिद्दीपेट और यादाद्री भुवनगिरी जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ बहुत भारी से बेहद भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

चक्रवात मोंथा को लेकर मौसम विभाग के वैज्ञानिक एस. करुणासागर ने कहा, मध्य बंगाल में बना गंभीर चक्रवाती तूफान उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ ा और यह कल आंध्र प्रदेश

■ **इन जिलों में तेज हवा के साथ बहुत भारी से बेहद भारी बारिश की चेतावनी है।**

के तट को पार कर गया। यह आधी रात 11.30 से 12.30 बजे के बीच तट से टकराया और इसके बाद यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ ा और सुबह ढ ाई बजे बजे तक यह चक्रवाती तूफान कमजोर हो गया। उन्होंने आगे बताया कि यह तूफान तेलंगाना क्षेत्र में भी प्रवेश करेगा। आज भी हवा और बारिश जारी रहने की संभावना है। श्रीकाकुलम, विजयनगरम, मान्यम, अल्लूरी, विशाखापत्तनम और अनकापल्ली जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। करुणासागर ने कहा, एलुरु, कृष्णा, एनटीआर, गुंटूर, बापटला, पलनाडु, काकिनाडा, कोनसीमा, पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी और प्रकाशम जिलों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। लोगों को भारी बारिश के मद्देनजर सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।

डिप्टी सीएम के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलीभगत कर राजनीतिक दबाव के चलते उन्हें गलत तरीके से शामिल किया है।

वे न तो परिवादी को जानते हैं और न उसके परिचित हैं। उन्होंने निष्पक्ष व तथ्यात्मक रिपोर्टिंग की है और वे आपराधिक प्रकृति के नहीं हैं। इसलिए उन्हें अग्रिम जमानत दी जाए, लेकिन कोर्ट ने आरोपी पक्ष की दलीलें नहीं मानकर, अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी। गौरतलब है कि तीनों के खिलाफ डिप्टी सीएम दिया कुमारी के निजी सहायक नरेन्द्र सिंह ने साइबर पुलिस आयुक्तालय में रिपोर्ट दी थी, जिसमें कहा गया था कि आरोपी यू-ट्यूब व वेब पोर्टल पर झूठी व भ्रामक खबरें सीरीज में चला रहे हैं। यह डिप्टी सीएम दिया कुमारी को बदनाम करने की साजिश है। वहीं, इन खबरों को नहीं चलाने की एवज में करोडों रुपए की मांग की गई है। इसलिए इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

बीजापुर में 51 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

इनमें 9 महिलाएं और 42 पुरुष हैं

बीजापुर, 29 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बुधवार को 51 नक्सली हथियार छोड़कर समाज की मुख्य लौट आए।

छत्तीसगढ़ सरकार की "पूना मारगेम: पुनर्वास से पुनर्जीवन" नीति के तहत, इन नक्सलियों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में वापसी का निर्णय लिया। इनमें नौ महिला और 42 पुरुष सदस्य शामिल हैं, जिन पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

यह समूह विभिन्न स्तरों के महत्वपूर्ण कैडरों को समेटे हुए है, जिनमें पीएलजीए बटालियन सदस्य, एरिया कमेटी सदस्य, मिलिशिया कमांडर और जनताना सरकार के पदाधिकारी शामिल हैं। इन सभी ने संविधान में आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक

■ **ये सभी नक्सली छत्तीसगढ़ सरकार की "पुनर्वास से पुनर्जीवन" नीति के तहत आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौट रहे हैं।**

जीवन जीने का संकल्प लिया है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने कहा, "सरकार की पुनर्वास नीति माओवादियों को आकर्षित कर रही है। मुख्यधारा में लौटने वाले कैडरों के परिजन भी चाहते हैं कि वे सामान्य जीवन जिएं।"

वर्ष 2025 में अब तक बीजापुर जिले में 461 माओवादी मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं, जबकि 138 मुठभेड़ों में मारे गए और 485 गिरफ्तार किए गए हैं। 2024 से अब तक कुल 650 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। मुख्यधारा में लौटने वाले प्रमुख कैडरों में बुधराम पोटाम (8 लाख), मनकी कोवासी (8 लाख), हुंगी सोढ़ ी (8 लाख), रविन्द्र पुनेम (8 लाख), और देवे करटाम (8 लाख) शामिल हैं। सभी आत्मसमर्पित कैडरों को पुनर्वास के तहत 50,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर बारिश चोरी का आरोप लगाया

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर "बारिश चोरी" का आरोप लगाते हुए बुधवार को दिल्ली पुलिस को शिकायत दी । दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने संसद मार्ग पुलिस थाने में दिल्ली सरकार के खिलाफ "बारिश चोरी" को लेकर बुधवार दोपहर शिकायत दी है। इस अवसर पर लाकड़ा ने कहा " दिल्ली में सवा करोड़ रुपए की बारिश चोरी हो चुकी है। कानपुर से क्लाउड सीडिंग के नाम पर दिल्ली के लिए जहाज उड़ता है और फिर भाजपा सरकार उसके लिए बड़े विज्ञापन देती है कि 15 से 20 मिनट में दिल्ली में बारिश होगी और प्रदूषण से निजात मिलेगी। लेकिन इसके बावजूद, दिल्ली में इस प्रकार कहीं भी बारिश देखने को नहीं मिली, इसलिए इस बारिश चोरी के खिलाफ हम शिकायत देने आये हैं। "

भाजपा ने उमर अब्दुल्लाह पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया

श्रीनगर, 29 अक्टूबर। बडगाम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार आगा मोहसिन ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के खिलाफ निर्वाचन आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

भाजपा उम्मीदवार ने नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज शिकायत में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री 11 नवंबर को होने वाले बडगाम उपचुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं।

यह शिकायत अब्दुल्ला द्वारा जम्मू-कश्मीर विधानसभा में दिए गए उस बयान से संबंधित है, जिसमें उन्होंने बडगाम के ओमपोरा में राष्ट्रीय विधि

■ **बडगाम उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ने मुख्यमंत्री अब्दुल्लाह पर मतदाताओं को प्रभावित करने का आरोप लगाया।**

विश्वविद्यालय (एनएलयू) के लिए अस्थायी परिसर स्थापित करने की घोषणा की थी। कांग्रेस विधायक निज़ामुद्दीन भट्ट के एक निजी प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय अगले साल अप्रैल से किराए के आवास शुरू हो जाएगा और बडगाम स्थित ओमपोरा अस्थायी रूप से इसके लिए उपयुक्त हो सकता है।

एक कमरे में 38 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव आयोग गुरुवार को हरकत में आ गया और मतदाता सूचियों की व्यापक जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

आदत्यि ठाकरे ने कहा, अगर एक ही कमरे में 38 मतदाता दिखाए जा सकते हैं, तो फिर चुनाव की ईमानदारी कहां बची? मुंबई जैसे शहर में भी अगर वोटों का खेल चल रहा है, तो गांवों में क्या हो रहा होगा?

पाकिस्तान की तालिबान नीति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस्लामाबाद के प्रमुख सुरक्षा उद्देश्य को नुकसान पहुंचा। विश्लेषकों का कहना है कि तालिबान द्वारा टीटीपी के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई से इनकार करने ने पाकिस्तान के इस अनुमान को खत्म कर दिया कि वैचारिक या ऐतिहासिक साम्यता स्वचालित रूप से आज्ञाकारिता या सहयोग में बदल जाएगी।

यह विफलता आंशिक रूप से पाकिस्तान द्वारा अपनी ताकत को जरूरत से ज्यादा आंकने से उत्पन्न हुई है। इस्लामाबाद का मानना था कि तालिबान को दशकों तक राजनीतिक, वित्तीय और सैन्य समर्थन देने से उनके निर्णयों पर स्थायी नियंत्रण सुनिश्चित होगा। लेकिन तालिबान शासन ने अपने आप को अत्यधिक आत्मनिर्भर साबित किया है, जो एक क्लाइंट राज्य के रूप में कार्य करने की बजाय, स्वतंत्र राज्य की छवि प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहा है। सीमा संघर्ष, कूटनीतिक तकरार और हस्तक्षेप के आरोप अब अधिक बार हो रहे हैं। एक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में काम करने के बजाय, तालिबान एक अप्रत्याशित पड़ोसी के रूप में उभरे हैं, जो अफगान संप्रभुता के मामले में समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं।

टीटीपी की समस्या भी और जटिल हो गई है। हालांकि पाकिस्तान ने पहले समूह को ज़र्ब-ए-आज़ब और रद्द-उल-फसाद जैसे सैन्य अभियानों के माध्यम से कमज़ोर किया था, फिर भी ये उग्रवादी अफगानिस्तान में फिर से संगठित हो गए हैं तथा गुरिल्ला युद्ध शैली और समन्वित हमले करने लगे हैं। समय-समय पर शांति वार्ता और युद्धिवराम की बातचीत उलटी पड़ी हैं, जिससे टीटीपी को आत्मसमर्पण करने की बजाय पुन: एकजुट होने का अवसर मिला है। पाकिस्तानी विश्लेषक अब स्वीकार करते हैं कि तालिबान को आतंकवाद निरोधक साझेदार के रूप में देखने की उम्मीद गलत थी। दरअसल, तालिबान का उभार उनके पाकिस्तानी समकक्षों को वैचारिक और परिचालनात्मक रूप से मजबूत कर रहा है। इससे अफगानिस्तान को बफर राज्य के रूप में देखने का व्यापक विचार भी कमज़ोर हुआ है। सुरक्षा की गहराई प्रदान करने के बजाय, तालिबान के अधीन अफगानिस्तान पाकिस्तान के लिए बोझ बन गया है। सीमा पार घुसपैठ, पाकिस्तानी सैनिकों पर हमले, और तालिबान का डूरंड रेखा को अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में स्वीकार करने का विरोध इन तनावों को बढ़ा चुका है। यहां तक कि आर्थिक सहयोग, जिसे तालिबान-नेतृत्व वाले अफगानिस्तान का एक संभावित लाभ माना गया था, सीमा बंदी और सुरक्षा विघटन के कारण ठप हो गया है।

फिर भी, इसे पूरी तरह से विफलता कहना आसान रास्ता होगा। पाकिस्तान के पास कुछ साधन हैं, सीमा बाड़बंदी, एकतरफा सैन्य अभियान और कूटनीतिक दबाव, जो इसके परिणामों को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किए जा सकते हैं। लेकिन रणनीतिक समीकरण स्पष्ट रूप से बदल चुका है। यह अनुमान कि तालिबान जैसे वैचारिक सहयोगी पाकिस्तान के सुरक्षा हितों के अनुसार काम करेंगे, उनके स्वायत्तता और क्षेत्रीय वैधता की इच्छा को कम करके आंका गया था। हाल की युद्धविराम वार्ताएं, जो अक्टूबर 2025 में इस्तांबुल में हुईं, यह संकेत देती हैं कि दोनों पक्ष पुन: समायोजन की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन विश्वास की भारी कमी है।

पाकिस्तान की तालिबान रणनीति विफल हो गई, क्योंकि इसने अपनी मुख्य लक्ष्यों में से कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं किया। पश्चिमी सीमा अब भी अशांत है, टीटीपी जीवित है, और काबुल में तालिबान शासन बढ़ती स्वतंत्रता के साथ काम कर रहा है। नतीजा यह है कि अब पाकिस्तान को पहले से कहीं अधिक जटिल और खतरनाक सीमा का सामना करना पड़ रहा है, जहां इस्लामाबाद को सुरक्षा गारंटी की बजाय उग्रवाद और कूटनीतिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान की चुनौती अब यह है कि वह अपनी अफगान नीति पर पुनर्विचार करे, पुरानी धारणाओं से बाहर निकलकर, और एक आत्मनिर्भर तालिबान के साथ सह-अस्तित्व का तरीका ढूंढे, जो अब पाकिस्तान के पुराने नियमों के अनुसार नहीं चलता।

बहराइच में नाव डूबी, 15 लोग लापता

बहराइच, 29 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के सुजौली क्षेत्र अंतर्गत कतर्नियाघाट के ट्रांस गेरुआ के जंगल में बसे भारत के अंतिम गांव भरथापुर में यात्रियों से भरी एक नाव नदी में डूब गई है, जिसमें सवार करीब 15 लोग लापता हैं, जबकि चार लोग सुरक्षित हैं।

सूत्रों के अनुसार, कतर्नियाघाट के घने जंगल व गेरुआ नदी के पार ग्राम भारथापुर बसा हुआ है। इस गांव के लोग पड़ोसी जिला लखीमपुर खीरी के खैरटिया गांव से कौड़ियाला नदी में नाव से आवागमन व खरीददारी करते हैं और इसे सुविधाजनक मानते हैं। बुधवार की शाम को गांव के 15 से अधिक लोग नाव में सवार होकर खैरटिया गांव से भरथापुर गांव आ रहे थे कि शाम करीब छह बजे गांव के करीब पंहुचते ही नाव अनियंत्रित होकर कौड़ियाला नदी में डूब गई। हादसे में गांव के दो दर्जन लोग लापता हैं, जिनमें कुछ मेहमान भी बताए जा रहे हैं। घटना में चार लोगों को सुरक्षित बचाया गया है।

अजीत पवार की पार्टी के दो नेता भाजपा में शामिल हुए

मुंबई, 29 अक्टूबर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-एपी) के दो पूर्व विधायक राजन पाटिल और यशवंत माने शिवसेना के नेताओं के साथ बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, शिवसेना नेता नागनाथ खीरसागर और रंजीतसिंह शिंदे भी भाजपा में शामिल हुए हैं। इसी प्रकार सतारा जिले के मान-खटाव तालुका में राकांपा के कई पदाधिकारियों और नेताओं और मराठवाड़ा के शिक्षक संगठनों के नेताओं का भी भाजपा में स्वागत किया गया। महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित समारोह में सभी नए सदस्यों का स्वागत किया। इस मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री , सोलापुर के पालक मंत्री जयकुमार गोरे, अन्य पिछड़ा वर्ग बहुजन कल्याण मंत्री अतुल सावे, प्रदेश

■ **ये दोनों नेता राजन पाटिल और यशवंत माने पूर्व विधायक हैं**

महासचिव विधायक संजय केनेकर और अन्य नेता मौजूद रहे।

चव्हाण ने इस अवसर पर कहा कि सभी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के सशक्त नेतृत्व एवं विकास की दूरदृष्टि पर विश्वास करते हुए भाजपा में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रवाद की भावना के साथ भाजपा परिवार में शामिल हुए हैं और केंद्र व राज्य सरकारों की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। मंत्री जयकुमार गोरे ने कहा कि सोलापुर जिले की राजनीति में महत्वपूर्ण प्रभाव रखने वाले नेता अपने क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं।

सीबीआई ने आईपीएस भुल्लर के खिलाफ मामला दर्ज किया

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित चल रहे पंजाब पुलिस के उप महानिरीक्षक हरचरण सिंह भुल्लर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी भुल्लर के खिलाफ यह मामला भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत दर्ज किया गया है।

हरचरण भुल्लर को पांच लाख रुपये की रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद भुल्लर के ठिकानों पर तलाशी अभियान में साढ े सात करोड़ रुपये की नगदी बरामद की गयी थी। भुल्लर को कबाड़ी का काम करने वाले एक व्यक्ति की शिकायत पर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। अभी भुल्लर शुक्रवार तक न्यायिक हिरासत में हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600